कक्षा 10 के लिए

सामाजिक विज्ञान

में

प्रतिदर्शी प्रश्नपत्र

(संशोधित योजना पर आधारित)

बोर्ड की परीक्षा वर्ष 2010 से लागू

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

दिल्ली

सामाजिक विज्ञान

प्रश्नपत्र की योजना (डिजाइन)

विषय : सामाजिक विज्ञान | **अधिकतम अंक : 80**

कक्षा : X | **समय : 3 घंटे**

1. प्रश्नों के प्रकार पर अंक भार

प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक प्रकार के प्रश्न के अंक	प्रश्नों की संख्या	प्रश्नों की क्रम संख्या	कुल अंक
अति लघु-उत्तर वाले प्रश्न (अ.ल.उ.)	1	10	1-10	10
लघु-उत्तर वाले प्रश्न (ल.उ.)	3	8	11-18	24
दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न (दी.उ.)	4	10	19-28	40
मानचित्र संबंधी प्रश्न (मा.प्र.)	6	1	29	6
योग	-	**29**	**1 से लेकर 29 तक**	**80**

2. विषयवस्तु पर अंक भार

(रा.शै.अ.प्र.प. की पाठ्यपुस्तकों के अध्यायों की संख्या पाठ्यक्रम की प्रत्येक उप इकाई के संबंधित प्रकरण के सामने कोष्ठक में दी गई है।)

इकाई 1: भारत और समकालीन विश्व - 2 (इतिहास) **20 अंक**

1.1 घटनाएं और प्रक्रियाएँ

प्रकरण 1. यूरोप में राष्ट्रवाद (अध्याय-1)
प्रकरण 2. इंडो-चाइना में राष्ट्रवादी आंदोलन (अध्याय-2) } (कोई एक) 4 अंक

प्रकरण 3. भारत में राष्ट्रवाद (अध्याय-3) (अनिवार्य) 6 अंक

1.2 अर्थव्यवस्थाएँ और आजीविका

प्रकरण 4. औद्योगीकरण 1850-1950 (अध्याय-5)
प्रकरण 5. नगरीकरण और नगर-जीवन (अध्याय-6)
प्रकरण 6. व्यापार और वैश्वीकरण (अध्याय-4) } (कोई एक) 4 अंक

1.3	**संस्कृति, पहचान और समाज**		
	प्रकरण 7 मुद्रण संस्कृति और राष्ट्रवाद (अध्याय-7) प्रकरण 8 उपन्यास का इतिहास (अध्याय-8)	} (कोई एक)	4 अंक
1.4	**मानचित्र कार्य (उपइकाई 1.1 के प्रकरण 3 पर आधारित)**		**2 अंक**

इकाई 2 : भारत संसाधन और उनका विकास (भूगोल) **20 अंक**

2.1	संसाधन (अध्याय-1)	
2.2	प्राकृतिक संसाधन (अध्याय-1)	6 अंक
2.3	वन एवं वन्य जीव संसाधन (अध्याय-2)	
2.4	कृषि (अध्याय-4)	
2.5	जल संसाधन (अध्याय-3)	
2.6	खनिज संसाधन (अध्याय-5)	6 अंक
2.7	ऊर्जा संसाधन (अध्याय-5)	
2.8	विनिर्माण उद्योग (अध्याय-6)	
2.9	परिवहन, संचार और व्यापार (अध्याय-7)	4 अंक
2.10	मानचित्र कार्य (उपइकाई 2.3 को छोड़कर 2.1 से 2.9 पर आधारित)	4 अंक

इकाई 3 : लोकतांत्रिक राजनीति - 2 (राजनीति विज्ञान) **20 अंक**

3.1	लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी का रचनातंत्र (अध्याय-1 व 2)	6 अंक
3.2	लोकतंत्र की कार्य प्रणाली (अध्याय-3 व 4)	6 अंक
3.3	लोकतंत्र में प्रतिस्पर्द्धा और चुनावी संघर्ष (अध्याय- 5 व 6)	4 अंक
3.4	लोकतंत्र के परिणाम (अध्याय-7)	4 अंक
3.5	लोकतंत्र की चुनौतियाँ (अध्याय-8)	

इकाई 4 : आर्थिक विकास की समझ - 2 (अर्थशास्त्र) **20 अंक**

4.1	विकास की कहानी (अध्याय-1)	4 अंक
4.2	भारतीय अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्रक की भूमिका (अध्याय-2)	4 अंक
4.3	मुद्रा और वित्तीय प्रणाली (अध्याय-3)	4 अंक
4.4	वैश्वीकरण (अध्याय-4)	4 अंक
4.5	उपभोक्ता जानकारी (अध्याय-5)	4 अंक

3. इकाई-अनुसार प्रश्नों का विभाजन

इकाई सं. और शीर्षक/विषय	अंक	1 अंकीय प्रश्न		3 अंकीय प्रश्न		4 अंकीय प्रश्न		मानचित्र प्रश्न		योग
		संख्या	प्रश्नों की क्रम संख्या	संख्या	प्रश्न की क्रम संख्या	संख्या	प्रश्न की क्रम संख्या	संख्या	प्रश्न की क्रम संख्या	
1 : भारत और समकालीन विश्व-2 (इतिहास)	20	2	1-2	4	11-14	1	19	} 1	29 (2+4) अंक	18(7) +2(1)*
2 : भारत : संसाधन और उनका विकास (भूगोल)	20	4	3-6	-	-	3	20-22			6(7) +4(-)*
3 : लोकतांत्रिक राजनीति-2 (नागरिक शास्त्र)	20	2	7-8	2	15-16	3	23-25			20(7)
4 : आर्थिक विकास की समझ-2 (अर्थशास्त्र)	20	2	9-10	2	17-18	3	26-28			20(7)
योग	80	10	1-10	8	11-18	10	19-28	1	29	80(29)

नोट : 1. कोष्ठक के अन्दर दी गई संख्याएं प्रश्नों की संख्या बताती है और कोष्ठक के बाहर दी गई संख्याएं अंक बताती हैं।

2. * चिन्ह बताता है कि एक प्रश्न बनाने के लिए अंक मिला दिऐ गए हैं।

4. प्रश्नों के कठिनाई स्तर पर अंक भार

अनुमानित कठिनाई स्तर	प्रतिशत	अंक	इकाई अनुसार अंक I	II	III	IV
कठिन (क)	20%	16	4	4	4	4
औसत (ख)	50%	40	10	10	10	10
सरल (ग)	30%	24	6	6	6	6
योग	100%	80	20	20	20	20

5. विकल्प की योजना : केवल मानचित्र-प्रश्न में ही आंतरिक विकल्प दिया जाएगा।

6. उत्तरों के लिए शब्द और समय सीमा **कुल समय (मिनट)**

(i)	1 अंकीय प्रश्न : प्रत्येक के लिए एक शब्द या एक वाक्य और समय दो मिनट	10x2=20 मिनट
(ii)	3 अंकीय प्रश्न : प्रत्येक के लिए 60-80 शब्द और समय 6 मिनट	8x6=48 मिनट
(iii)	4 अंकीय प्रश्न : प्रत्येक के लिए 80-100 शब्द और समय 8 मिनट	10x8=80 मिनट
(iv)	मानचित्र प्रश्न (6 अंक) : समय 12 मिनट	1x12=12 मिनट
		पुनरावृत्ति = 20 मिनट
		कुल समय 180 मि./3 घंटे

7. कक्षा 10 की परीक्षा के लिए मानचित्र मदों (आइटम) की सूची

(क) इतिहास

भारत का राजनीतिक रेखामानचित्र

भारत में राष्ट्रवाद - (1918-1930)

(I) स्थिति दिखाने और नामांकन के लिए अथवा पहचान के लिए

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन : कलकत्ता (सितम्बर, 1920), नागपुर (दिसम्बर, 1920), मद्रास (1927), और लाहौर (1929)

2. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख केन्द्र : (असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलन)

   (i) चंपारन (बिहार) नील की खेती करने वाले किसानों का आंदोलन

   (ii) खेड़ा (गुजरात) किसान सत्याग्रह

   (iii) अहमदाबाद (गुजरात) सूती मिल कामगारों का सत्याग्रह

   (iv) अमृतसर (पंजाब) जलियांवाला बाग की घटना

   (v) चौरी-चौरा (उ.प्र.) असहयोग आंदोलन को वापस लेना

   (vi) बारदोली (गुजरात) 'कर' न देने का आंदोलन

   (vii) दांडी (गुजरात) सविनय अवज्ञा आंदोलन

ख. भूगोल

भारत का राजनीतिक रेखामानचित्र

अध्याय-1 : संसाधन और विकास

केवल पहचान के लिए : मृदा के प्रमुख प्रकार

अध्याय-3 : जल संसाधन

स्थिति दिखाना और नामांकन - बांध : (1) सलाल, (2) भाखड़ा-नांगल, (3) टिहरी, (4) राणा प्रताप सागर, (5) सरदार सरोवर, (6) हीराकुड, (7) नागार्जुन सागर, (8) तुंगभद्रा

अध्याय-4 : कृषि

केवल पहचान के लिए

(क) चावल और गेहूँ के प्रमुख क्षेत्र

(ख) गन्ना, चाय, काफी, रबड़, कपास और जूट के प्रमुख उत्पादक राज्य

अध्याय-5 : खनिज और ऊर्जा संसाधन

खनिज (केवल पहचान के लिए)

(i) **लौह अयस्क की खानें :** मयूरभंज, दुर्ग, बेलाडिला, बेलारी, कुद्रेमुख।

(ii) **अभ्रक की खानें :** अजमेर, ब्यावर, नेल्लोर, गया और हजारीबाग।

(iii) **कोयले की खानें :** रानीगंज, झरिया, बोकारो, तालचिर, कोरबा, सिंगरौली, सिंगरेनी और नेवेली

(iv) **तेलक्षेत्र :** डिगबोई, नहरकटिया, मुंबई हाई, बसीन, कलोल और अंकलेश्वर

विद्युत केन्द्र - (केवल स्थिति दिखाने और नामाकन के लिए)

(क) **तापीय :** नामरूप, तालचिर, सिंगरौली, हरदुआगंज, कोरबा, उरण, रामगुंडम, विजयवाड़ा, और तूतीकोरिन।

(ख) **नाभकीय :** नरौरा, रावत भाटा, काकरापार, तारापुर, कैगा और कलपक्कम।

अध्याय-6 : निर्माण उद्योग

केवल स्थिति दिखाने और नामांकन के लिए

(1) **सूती वस्त्र उद्योग :** मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, सूरत, कानपुर, कोयंबतूर और मदुरई।

(2) **ऊनी वस्त्र उद्योग :** श्रीनगर, अमृतसर, लुधियाना, पानीपत, मिर्जापुर और जामनगर।

(3) **रेश्मी वस्त्र उद्योग :** अनंतनाग, श्रीनगर, मुर्शिदाबाद, और मैसूर

(4) **लोहा और इस्पात संयंत्र :** बर्नपुर, दुर्गापुर, बोकारो, जमशेदपुर, राऊरकेला, भिलाई, विजयनगर, भद्रावती, विशाखापत्तनम् और सेलम

(5) **साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क :** मोहाली, नौएडा, जयपुर, गांधीनगर, इंदौर, मुंबई, पुणे, कोलकाता, भुवनेश्वनर, विशाखापत्तनम्, हैदराबाद, बंगलौर, मैसूर, चेन्नई और तिरूवनंतपुरम्।

अध्याय-7 : राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं

केवल पहचान के लिए : स्वर्णिम चतुर्भुज, उत्तर-दक्षिण गलियारा और पूर्व-पश्चिम गलियारा

राष्ट्रीय राजमार्ग : रा.रा.1, रा.रा.2, और रा.रा.7

स्थिति दिखाने और नामांकन के लिए : प्रमुख पत्तन-काँडला, मुंबई, जवाहरलाल नेहरू, मर्मागाओ, न्यू मंगलौर, कोच्चि, तूतीकोरिन, चेन्नई, विशाखापत्तनम्, पाराद्वीप, हल्दिया और कोलकाता

अंतर्राष्ट्रीय वायुपत्तन : अमृतसर (राजा सांसी), दिल्ली (इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय), मुम्बई (छत्रपति शिवाजी), चेन्नई (मीनाम्बक्कम्), तिरुवनंतपुरम्, (नेदिंबाचेरी), कोलकाता (नेताजी सुभाष चन्द्र बोस) और हैदराबाद।

नोट - स्थिति दिखाने और नामांकन के लिए निर्धारित मदों को पहचान के लिए भी दिया जा सकता है।

प्रश्नपत्र की विशिष्टताएं

कक्षा 10 के लिए सामाजिक विज्ञान में निम्नलिखित 5 पाठ्यपुस्तकें निर्धारित की गई हैं -

इकाई (1) भारत और समकालीन विश्व-2 (इतिहास) रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा प्रकाशित (पा.पु. 1)

इकाई (2) समकालीन भारत-2 (भूगोल) रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा प्रकाशित, (पा.पु.2)

इकाई (3) लोकतांत्रिक राजनीति-2 (राजनीति विज्ञान) रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा प्रकाशित (पा.पु.3)

इकाई (4) आर्थिक विकास की समझ-2 रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा प्रकाशित (पा.पु.4)

इकाई (5) आओ मिलकर चलें एक सुरक्षित भारत की ओर-भाग 3, कक्षा 10 के लिए आपदा प्रबंधन की के.मा.शि. बोर्ड द्वारा प्रकाशित पाठ्यपुस्तक (पा.पु. 5) केवल परियोजना कार्य और नियत कार्य के लिए है। आपदा प्रबंधन पर सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र में कोई प्रश्न नहीं पूछा जाएगा।

2. इकाई 1 और इकाई 2 में से मानचित्र प्रश्न सहित पूरे प्रश्नपत्र में 29 प्रश्न पूछे जाएंगे।

3. (क) प्रश्न संख्या 29, मानचित्र-प्रश्न इकाई 1 से 2 अंक का तथा इकाई 2 से 4 अंक का होगा।

   (ख) मानचित्र प्रश्न के लिए योजना के बाद क्र.सं. 7 पर मानचित्र की मदें (आइटम) दे दी गई हैं।

   (ग) मानचित्र पर प्रश्न संख्या 29 में पहचान के लिए तथा स्थिति दिखाने और नामांकन में किसी एक को चुनने का विकल्प होगा। प्रत्येक विकल्प में 6 मदें होंगी। (2 इतिहास से और 4 भूगोल से)

4. प्रश्नपत्र की योजना के अनुसार ही प्रश्नपत्र बनाए जाएंगे।

5. समकालीन भारत (भूगोल) भाग-2 से निम्नलिखित प्रसंग (टॉपिक) हटा दिए गए हैं :

   (i) अध्याय-4 में से निम्नलिखित उप-प्रसंग : खाद्य सुरक्षा (पृष्ठ 47) और वैश्वीकरण का कृषि पर प्रभाव (पृष्ठ 48)

   (ii) राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ 103 से 107 में दिए स्वयं करने के अभ्यासों में से प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

6. प्रश्नपत्रों की विषयवस्तु और उनकी अंक योजना (उत्तरों की रूपरेखा सहित) ऊपर दी गई निर्धारित पाठ्यपुस्तकों के अनुरूप ही होनी चाहिए।

7. कक्षा 10 के लिए सामाजिक विज्ञान में नए प्रकार के प्रश्नों का समावेश किया गया है। इसमें :

   (i) इतिहास की पाठ्यपुस्तक में दिए गए स्रोत-आधारित बाक्स (बाक्स जिनका शीर्षक स्रोत-क, स्रोत-ख, आदि है) में से एक प्रश्न दिया जाएगा। इसके लिए वैकल्पिक प्रश्न भी स्रोत-आधारित अन्य बाक्सों में से ही दिया जाएगा।

   (ii) एक प्रश्न अन्य पाठ्यपुस्तकों में दिए गए आंकड़े, आरेख और मानचित्र की व्याख्या पर दिया जाएगा।

8. इकाई 1 से 4 तक ऊपर बताई पाठ्यपुस्तकों में दिए चित्रों और कार्टूनों से कोई प्रश्न नहीं पूछा जाएगा।

9. प्रश्नपत्र में 20 प्रतिशत (16 अंकों के) प्रश्न उच्चस्तरीय विवेचना/कौशल (H.O.T.) के होंगे।

प्रश्नपत्र की रुपरेखा : प्रतिदर्शी प्रश्नपत्र 1 और 2

विषय : सामाजिक विज्ञान **अधिकतम अंक : 80**

कक्षा : 10 **समय : 3 घंटे**

पाठ्यपुस्तक संख्या	अध्याय संख्या	अंक	प्रश्न का प्रकार				इकाई का योग
			दीर्घ उत्तर (4)	लघु उत्तर (3)	अति लघु उत्तर (1)	मानचित्र प्रश्न (2+4)	
1	1 या 2	4	4(1)		1(1)		
	3	6		6(2)			
	4,5 और 6 (कोई दो)	6 4 2		6(2)			22(7)
	7 या 8	4		3(1)	1(1)		
	मानचित्र कार्य	2				2(1)*	(1)
2	1 और 4	8	8(2)				
	3,5 और 6	6	4(1)		2(2)		
	7	4		3(1)	1(1)		22(7)
	मानचित्र कार्य	4				4(1)*	

3	1 और 2	6		6(2)			
	3 और 4	6	4(1)		2(2)		
	5 और 6	4	4(1)				
	7 और 8	4	4(1)				20(7)
4	1	4	4(1)	3(1)	1(1)		
	2	4	4(1)				
	3	4	4(1)				
	4	4	4(1)				20(7)
	5	4		3(1)	1(1)		
कुल योग	—	80	40(10)	24(8)	10(10)	6(1)	80(29)
प्रश्नों की क्रम संख्या			19–28	11–18	1–10	29	1–29

नोट :

(i) कोष्ठक के अंदर दी गई संख्याएं प्रश्नों की संख्या बताती हैं तथा कोष्ठक के बाहर दी गई संख्याएं अंक बताती हैं।

(ii) प्रश्नों के प्रकार हैं : (i) अ.ल.उ. (1 अंक प्र.) क्रम सं. 1–10 (ii) ल.उ. (3 अंक प्र.) क्रम सं. 11–18 (iii) दी.उ. (4 अंक प्र.) क्रम सं. 19–28 (iv) मानचित्र प्र. (2 और 4 अंक) क्रम सं. 29

(iii) पाठ्यपुस्तक संख्या 1 इतिहास, 2 भूगोल, 3 राजनीति विज्ञान, 4 अर्थशास्त्र

*एक प्रश्न बनाने के लिए अंक मिला दिए गए हैं।

सामाजिक विज्ञान

प्रतिदर्शी प्रश्न पत्र-1

कक्षा 10 **अधिकतम अंक : 80**

समय : 3 घंटे

निर्देश

1. *कुल मिलाकर 29 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2. *प्रत्येक प्रश्न के सामने उसके अंक दिए गए हैं।*
3. *क्रम संख्या 1 से 10 तक के प्रश्न 1 अंक वाले हैं। इन प्रश्नों के उत्तर एक शब्द से एक वाक्य तक के हो सकते हैं।*
4. *क्रम संख्या 11 से 18 तक के प्रश्न 3 अंको वाले हैं। इन प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर 80 शब्दों से अधिक का नहीं होना चाहिए।*
5. *क्रम संख्या 19 से 28 तक के प्रश्न 4 अंकों वाले हैं। इन प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर 100 शब्दों से अधिक का नहीं होना चाहिए।*
6. *प्रश्न संख्या 29 मानचित्र कार्य का प्रश्न है। मानचित्र को अपनी उत्तर पुस्तिका के बीच में संलग्न कर दीजिए।*

प्र.1 अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास के लिए स्थापित की गई बैंक का लोकप्रिय नाम क्या है? 1

या

इंग्लैंड में कपास उद्योग के विकास के कारण भारतीय कपड़ा बुनकरों के सामने आई किसी एक समस्या का उल्लेख कीजिए। 1

या

चाल किसे कहते हैं?

प्र.2 सन् 1857 के पश्चात् भारत में अंग्रेजी सरकार ने समाचारपत्रों की स्वतंत्रता क्यों घटा दी थी? 1

या

मलयाली भाषा के उपन्यासकार के रूप में वायक्कम मुहम्मद बशीर के प्रमुख योगदान के विषय में लिखिए। 1

प्र.3 संसाधन शब्द का अर्थ बताइए। 1

प्र.4 भारत में चिपको आन्दोलन का प्रमुख प्रभाव बताइये। 1

प्र.5 पंडित जवाहर लाल नेहरू ने नदियों पर बने बांधों को ''आधुनिक भारत के मन्दिर'' क्यों कहा था? प्रमुख कारण लिखिए। 1

प्र.6 मैग्नेटाइट और हैमेटाइट लौह अयस्क में समानता और भिन्नता का *एक-एक* बिंदु लिखिए।(½+½) 1

प्र.7 भारत में जाति ने किन *दो* तरीकों से राजनीति को प्रभावित किया है? ½+½ = 1

प्र.8 उन *दो* एशियाई देशों के नाम बताइये जिनमें *दो* भाषाई और जातीय समूहों में संघर्ष था। ½+½ = 1

प्र.9 पंजाब, केरल और बिहार में से किस राज्य में शिशु मृत्युदर सबसे कम है? 1

प्र.10 ''सूचना का अधिकार'' से क्या अर्थ है? यह नागरिकों की कैसे मदद करता है? 1

प्र.11 उन परिस्थितियों का विश्लेषण कीजिए, जिनमें गांधी जी ने नमक कर को हटाने के लिए सविनय अवज्ञा आंदोलन को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मांग के रूप में चुना। 3x1 = 3

प्र.12 भारतीय समाज में दलितों की प्रतिष्ठा को ऊंचा उठाने के लिए विभिन्न नेताओं के द्वारा सुझाए गए तरीकों की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए। 3x1 = 3

प्र.13 19वीं शताब्दी में भारत में उत्पादकों द्वारा अपनी वस्तुओं के बाजार का विस्तार करने के लिए अपनाए गए *तीन* उपायों का विश्लेषण कीजिए। 3x1 = 3

या

वैश्विक अर्थव्यवस्था के संदर्भ में 19वीं शताब्दी में अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमय में *तीन* प्रकार की गतियों और प्रवाहों की व्याख्या कीजिए। 3x1 = 3

या

19वीं शताब्दी के ब्रिटेन में स्त्रियों की स्थिति का *तीन* बिंदुओं में वर्णन कीजिए। 3x1 = 3

प्र.14 पाठ्यपुस्तक से लिए गए निम्नलिखित उद्धरण को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 3x1= 3

"जानी-मानी शिक्षाविद और लेखिका बेगम रोकैया शेखावत हुसैन ने 1926 में, बंग महिला शिक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए, धर्म के नाम पर महिलाओं को पढ़ने से रोकने के लिए पुरुषों की निंदा की-

'नारी-शिक्षा के विरोधी कहते हैं कि इससे महिलाएँ उद्दंड हो जाएँगी...

'छि:! ये खुद को मुसलमान बताते हैं, और इस्लाम द्वारा औरतों को बराबरी की तालीम का हक़ देने के बुनियादी उसूल के ख़िलाफ़ जाते हैं। अगर पुरुष पढ़-लिखकर नहीं भटकते, तो महिलाएँ क्यों बिगड़ जाएँगी, भला?'

(क) व्याख्या कीजिए कि बेगम रोकैया सखावत हुसैन स्त्रियों की शिक्षा के अधिकार के लिये किस प्रकार जोरदार वकालत करती है?

(ख) 19वीं शताब्दी में मुद्रित पुस्तकों का भारत में स्त्रियों पर क्या प्रभाव पड़ा? 1+2= 3

या

निम्नलिखित उद्धरण को पढ़िये तथा इसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+1= 3

''प्रिय बच्चियों! इन उपन्यासों को पढ़ना मत, छूना भी नहीं। तुम्हारी जिन्दगी तबाह हो जाएगी। तुम्हें बीमारियां और व्याधियां घेर लेंगी। ईश्वर ने तुम्हें क्यों पैदा किया है – इतनी छोटी सी उम्र में भटकने के लिए?बीमार पड़ने के लिए? अपने भाइयों, रिश्तेदारों और आस-पास वालों की घृणा का पात्र बनने के लिए?नहीं! नहीं। तुम्हें मां बनना है, तुम्हें अच्छी जिन्दगी चाहिए; यही तुम्हारा दैवी उद्देश्य है। तुमने इस उदात्त उद्देश्य को पूरा करने के लिए जन्म लिया है, क्या तुम्हें इन ..... उपन्यासों के पीछे पागल होकर अपनी जिन्दगी बर्बाद कर देनी चाहिए?''

(क) लेखक द्वारा बच्चियों को दिए गए संदेश का विश्लेषण कीजिए।

(ख) 19वीं शताब्दी के प्रारंभ की उस स्त्री उपन्यासकार का नाम बताइये, जिसने स्त्रियों की पत्नियों और माँओं की पारंपरिक भूमिका के विरुद्ध लिखा था। 2+1= 3

प्र.15 प्रजातंत्र में विभिन्न राजनीतिक दल, दबाव-समूह और आंदोलन सत्ता की साझेदारी में किस प्रकार मदद करते हैं? तीन बिन्दुओं मे व्याख्या कीजिए। 3X1= 3

प्र.16 भारत में सत्ता के विकेन्द्रीकरण के लिए किए गए किन्हीं *दो* उपायों की व्याख्या कीजिए। 1½+1½=3

प्र.17 आर्थिक विकास का अर्थ बताइए। किसी देश के आर्थिक विकास को मापने के दो सूचक क्या हैं? 1+2= 3

प्र.18 उपभोक्ता संरक्षण कानून के अंतर्गत दिए गए चुनने के अधिकार का उपयुक्त उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए। 3

प्र.19 संयुक्त राज्य अमेरिका के विरुद्ध वियतनामी युद्ध में हो ची मिन्ह मार्ग के कोई *चार* लक्षण बताइये। 4X1= 4

या

जर्मनी के एकीकरण की *चार* अवस्थाओं का वर्णन कीजिए।

प्र.20 भारत में चावल की खेती की *चार* महत्वपूर्ण विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 4X1= 4

प्र.21 किसी उद्योग की आदर्श स्थिति में किस कारक की सबसे अधिक महत्वपूर्ण भूमिका होती है? इस कारक की पुष्टि में किन्हीं *तीन* कारणों की व्याख्या कीजिए। 1+3= 4

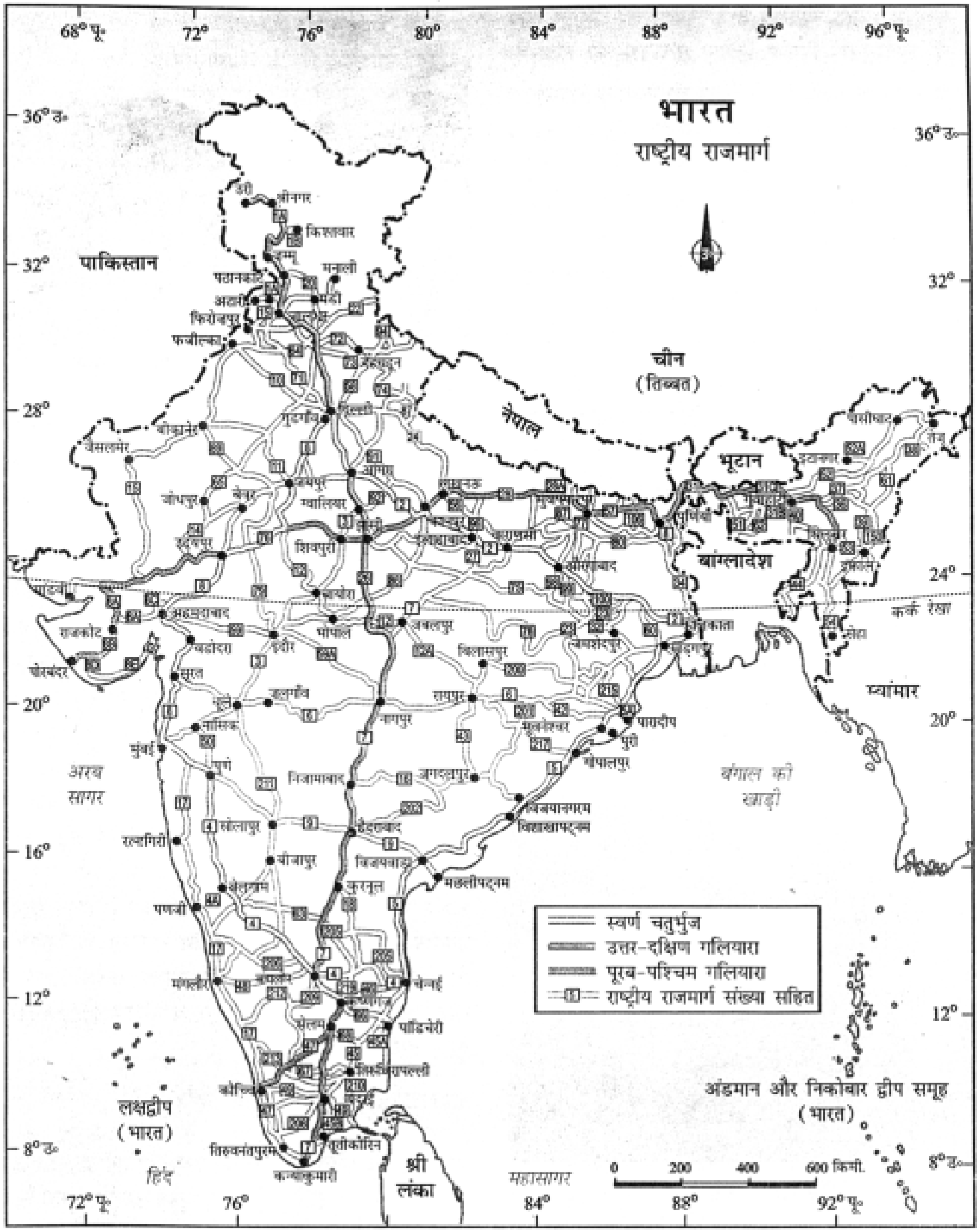

प्र.22 ऊपर दिए गए मानचित्र का अध्ययन कीजिए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(22.1) मानचित्र में दिखाए गए तीन महा राजमार्गों के नाम बताइये।

(22.2) इनमें से पहले महा राजमार्ग द्वारा जोड़े गए चार महानगरों के नाम बताइये।

(22.3) उत्तर–दक्षिण गलियारे के सबसे दक्षिणी सिरे के नगर का नाम बताइए। 1½+2+½=4

केवल दृष्टिहीन विद्यार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 16 के बदले में :

किन्हीं दो राज्यों के नाम बताइये, जिनमें से प्रत्येक में दो प्रमुख समुद्री पत्तन हैं तथा इनमें से प्रत्येक राज्य के पत्तनें के नाम भी बताइये। 2+2= 3

प्र.23 *दो* उदाहरण देकर समझाइये कि सामाजिक विभाजन ने राजनीति को किस प्रकार प्रभावित किया है। 2+2= 4

प्र.24 ''लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की प्रमुख भूमिका होती है।'' इस कथन की पुष्टि में *चार* बिंदु दीजिए। 4X1= 4

प्र.25 ''लोकतांत्रक व्यवस्था में नागरिक की गरिमा और आजादी सुनिश्चित होती है।'' *चार* उदाहरणों की मदद से इस कथन को स्पष्ट कीजिए। 4X1= 4

प्र.26 तृतीयक क्षेत्रक का अर्थ बताइये। इस क्षेत्र के विकास में योगदान देने वाले कोई *तीन* कारक बताइये। 1+3= 4

प्र.27 निम्नलिखित सारणी में 2003 में भारत में ग्रामीण परिवारों के लिए ऋण के स्त्रोत दिए गए है –

स्त्रोत	**भागीदारी**
महाजन	30%
सहकारी समितियां	27%
व्यापारिक बैंक	25%
अन्य (व्यापारी, संबंधी, आदि)	18%

ऊपर दी गई सारणी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(27.1) कुल ऋण में औपचारिक क्षेत्र की कितनी भागीदारी है?
(27.2) कुल ऋण में औपचारिक क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाने के *दो* उपाय सुझाइए।
(27.3) महाजन अब भी ऋण का अकेला सबसे बड़ा स्त्रोत क्यों हैं? 1+2+1 4

प्र.28 स्वतंत्रता के पश्चात् भारत सरकार ने विदेशी व्यापार और विदेशी निवेश पर प्रतिबंध क्यों लगाया था? 4

प्र.29 पृष्ठ 17 पर भारत के दिए गए राजनीतिक रेखामानचित्र में क्रम सं. 1 से 6 तक *छः* लक्षण अंकित किए गए हैं। निम्नलिखित जानकारी की सहायता से इन लक्षणों को पहचानिए और मानचित्र पर खींची गई रेखाओं पर इनके सही नाम लिखिए

1. स्थान जहाँ गाँधी जी ने नमक कानून तोड़ा;
2. स्थान जहाँ 1927 में भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का अधिवेशन हुआ;
3. मृदा का एक प्रकार;
4. काफी का प्रमुख उत्पादक;
5. कोयले की एक खान और;

6. पूरब–पश्चिम गलियारे का अंतिम पूर्वी नगर; 6x1 6

या

प्र.29 पृष्ठ 18 पर दिए गए भारत के राजनीतिक रेखामानचित्र में निम्नलिखित की स्थिति दिखाकर उनका नामांकन कीजए:

1. एक स्थान जहां सितम्बर 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था।
2. गुजरात में एक स्थान जहां गांधी जी ने सूती मिलों के कामगारों के सत्याग्रह आंदोलन का आयोजन किया था।
3. छत्तीसगढ़ में स्थित लोहा और इस्पात का कारखाना
4. तमिलनाडु में नाभकीय विद्युत केन्द्र
5. केरल में एक साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क और
6. आंध्रप्रदेश में एक समुद्री पत्तन 6x1 = 6

निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न सं. 29 के बदले में है –

(i) उस स्थान का नाम बताइये जहां गांधी जी ने नील की खेती करने वाले किसानों के आंदोलन का आयोजन किया था।

(ii) उस स्थान का नाम बताइये जहां 13 अप्रैल 1919 में हत्याकांड हुआ था।

(iii) छत्तीसगढ़ में स्थित लोहा और इस्पात के कारखाने का नाम बताइये।

(iv) तमिलनाडु के नाभिकीय विद्युत केन्द्र का नाम बताइये।

(v) केरल में स्थित साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क का नाम बताइये।

(vi) आंध्रप्रदेश के समुद्री पत्तन का नाम बताइये। 6x1 = 6

मानचित्र (प्र. 29 से संबंधित)

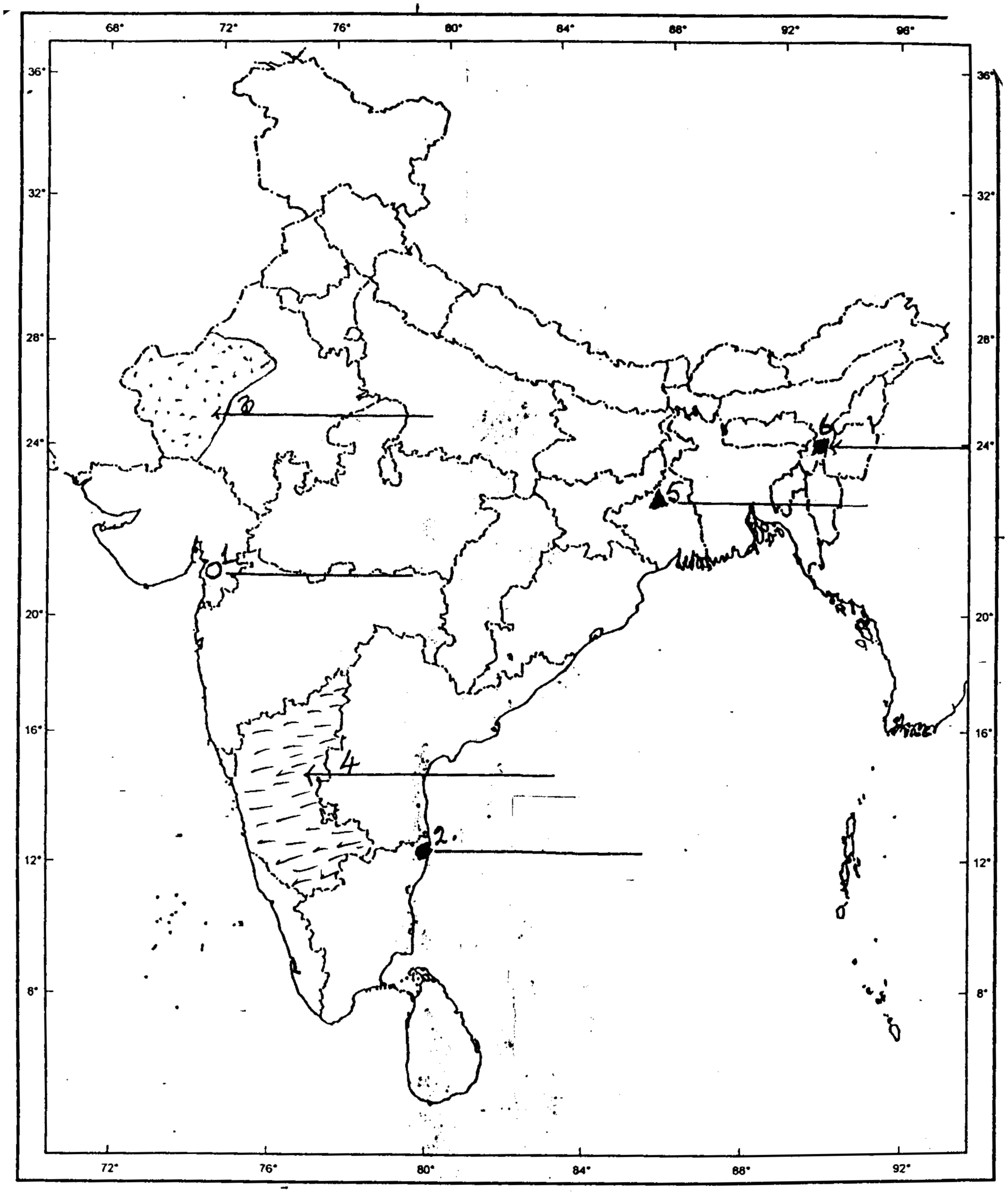

या

मानचित्र (प्र. 29 से संबंधित)

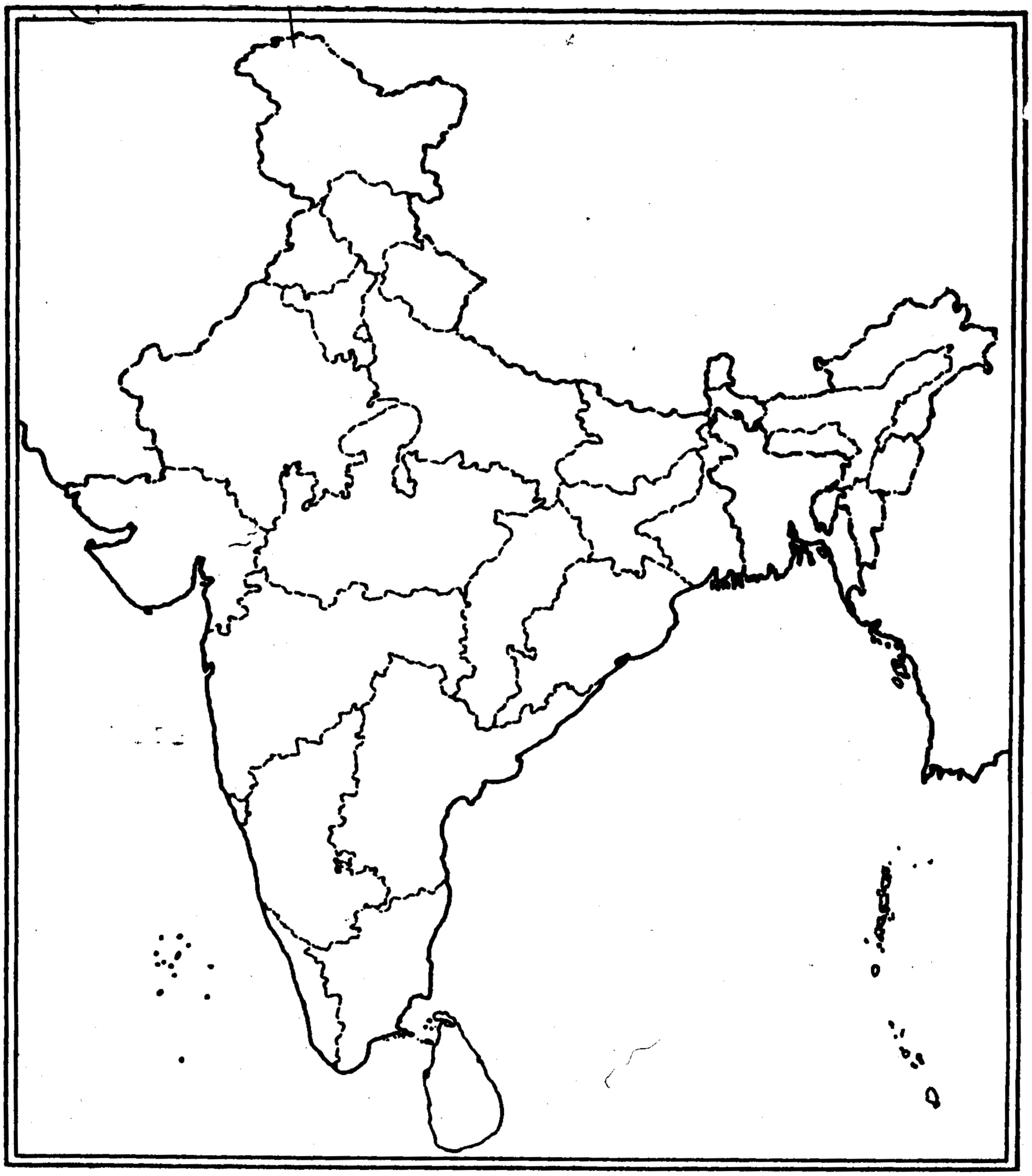

सामाजिक विज्ञान

प्रतिदर्शी प्रश्न पत्र-1

अंक योजना

कक्षा X **अधिकतम अंक : 80**

समय : 3 घंटे

प्र.सं.	उत्तरों की रूपरेखा	अंक
प्र.1	विश्व बैंक (पा.पु. 1 पृ. 99)	1
	या	
(क)	निर्यात बाज़ार का ढहना	
(ख)	स्थानीय बाजार का सिकुड़ना (कोई एक, पा.पु.1 पृ.116)	1
	चॉल बम्बई की बहुमंजिला इमारते हैं जिनमें बहुत अधिक संख्या में मजदूर रहते हैं। (पा.पु. 1 पृ 143)	1
प्र.2	क्रुद्ध अंग्रेजों ने 'देसी' प्रेस का मुँह बंद करने की माँग की। राष्ट्रवादी अखबारों ने औपनिवेशिक कुशासन की खबरें छापीं तथा राष्ट्रवादी गतिविधियों को प्रोत्साहित करते रहे। (पा.पु. 1 पृ. 175)	1
	या	
	वी.एम. बशीर की औपचारिक शिक्षा नहीं के बराबर हुई थी। उनकी कृतियां उनके विपुल अनुभवों पर आधारित थीं। उनकी उपन्यासिकाएं और कहानियां आम बोल-चाल की भाषा में लिखी गई थीं। उन्होंने गरीबी, पागलपन और कैदी जीवन जैसे असामान्य विषयों पर अपनी कलम चलाई थी। (पा.पु. 1 पृ. 196)	1
प्र.3	हमारे पर्यावरण में उपलब्ध प्रत्येक वस्तु जो हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति करती है तथा जिसको बनाने के लिए प्रौद्योगिकी उपलब्ध है, जो आर्थिक महत्ववाली है और सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य है उसे संसाधन कहते है। (पा.पु. 2, पृ. 1)	1
प्र.4	इस आंदोलन के परिणामस्वरूप हिमालय के कई क्षेत्रों में वन कटाई रोकने में सफलता मिली। (पा.पु. 1 पृ. 23)	1
प्र.5	नदियों पर बने बांध कृषि के विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को तीव्रगामी औद्योगीकरण और नगरीय अर्थव्यवस्था के विकास के साथ समन्वित करेंगे। (पा.पु. 2 पृ. 28)	1
प्र.6	(क) **समानता** : मैग्नेटाइट और हैमेटाइट दोनों ही लौह अयस्क हैं। ½ (ख) **अंतर** : (1) मैग्नेटाइट में 70% जबकि हैमेटाइट में 50-60% लोहांश होता है।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(2) मैग्नेटाइट में सर्वश्रेष्ठ चुंबकीय गुण होते हैं। अतः इसका उपयोग मुख्य रूप से विद्युत उद्योगों में होता है। जबकि हैमेटाइट मुख्य रूप से लोहा बनाने के काम में लाया जाता है। (कोई एक बिंदु ½ अंक) (पा.पु. 2 पृ. 56)½+½=	1
प्र.7	**राजनीति पर जाति का प्रभाव :**	
	(i) चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन जाति के आधार पर किया जाता है।	
	(ii) राजनीतिक दलों द्वारा जातीय भावनाएँ भड़काई जाती हैं। (पा.पु. 3 पृ. 51-53) ½+½=	1
प्र.8	श्रीलंका, इज़रायल, भारत, इराक और पाकिस्तान। (कोई दो देश, या कोई अन्य प्रासंगिक देश) (पा.पु. 3 पृ. 37) ½+½=	1
प्र.9	केरल राज्य में शिशु मृत्यु दर सबसे कम है। (पा.पु. 4 पृ. 10)	1
प्र.10	अक्टूबर 2005 में भारत सरकार ने एक कानून लागू किया जिसे 'सूचना का अधिकार' कहते हैं। यह कानून देश के नागरिकों को सरकारी विभागों के कार्य-कलापों की सभी सूचनाएँ पाने के अधिकार को सुनिश्चित करता है।	1
प्र.11	(i) सभी वर्ग नमक के साथ जुड़ सकते थे क्योंकि यह भोजन की सस्ती वस्तु और अनिवार्य वस्तु भी थी।	
	(ii) अमीर-गरीब सभी नमक का इस्तेमाल करते थे।	
	(iii) नमक पर कर लगाना तथा इसके बनाने पर एकाधिकार, अंग्रेजी शासन के दमन का प्रतीक था।	
	(iv) इससे अंग्रेजों पर आर्थिक दृष्टि से बुरा प्रभाव पड़ता था। (कोई तीन बिंदु) 3x1= (पा.पु. 1 पृ. 63)	3
प्र.12	(i) महात्मा गांधी दलितों को 'हरिजन' अर्थात् ईश्वर की संतान कहकर पुकारते थे। उन्होंने उन्हें मंदिरों, सार्वजनिक कुओं, तालाब, सड़कों और स्कूलों में समान अधिकार दिलाने के लिए सत्याग्रह किया।	
	(ii) मैला ढोने वालों के काम को प्रतिष्ठा दिलाने के लिए वे स्वयं शौचालय साफ करने लगे। उन्होंने ऊँची जातियों को छूआछूत की प्रथा को छोड़ने के लिए राजी किया।	
	(iii) लेकिन बहुत सारे दलित नेता अपनी समस्याओं का सामाजिक हल के स्थान पर राजनीतिक समाधान चाहते थे।	
	(iv) दलित नेताओं ने शिक्षा संस्थाओं में आरक्षण के लिए भी आवाज उठाई।	
	(कोई तीन बिंदु) (पा.पु. 1 पृ. 68) 3x1=	3

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
प्र.13	19वीं शताब्दी में अपनी वस्तुओं के बाजार का विस्तार करने के लिए भारतीय उत्पादकों ने नीचे लिखे उपाय किए: (i) जब ब्रिटिश निर्माताओं ने भारतीय बाजार पर कब्जे के लिए प्रयास किया तो भारतीय उत्पादकों और उद्योगपतियों ने औपनिवेशिक नियंत्रण का विरोध किया, आयात शुल्क सुरक्षा के लिए मांग उठाई, अपने लिए जगह बनाई और अपने माल के बाजार को फैलाने का प्रयास किया। (ii) **नए उत्पादों के लिए** – विज्ञापनों ने लोगों की सोच बदल दी। इसका प्रारंभ औद्योगीकरण के प्रारंभिक दिनों से हुआ था। (iii) **लेबल द्वारा** – लेबलों पर केवल शब्द और अक्षर ही नहीं होते थे, अपितु वे सुंदर चित्रों के द्वारा भी उपभोक्ताओं को आकर्षित करते थे। (iv) **भारतीय देवी-देवताओं की तस्वीरें**-इनके द्वारा निर्माता यह दिखाता था कि भगवान भी चाहता है कि लोग उस वस्तु को खरीदें। (v) **कैलेंडर** – ये चाय की दुकानों और गरीब लोगों के घरों में टंगे रहते थे। (vi) **प्रमुख व्यक्तियों के चित्र** – सम्राटों और नवाबों की तस्वीरों का उपयोग भी होता था। (कोई 3 बिंदु) (पा.पु. 1 पृ. 124-125) 3X1=	3
	या	
	अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमय में तीन प्रकार के गतियों या प्रवाह: आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और प्रौद्योगिकीय कारकों ने पूरे-पूरे समाजों की कायापलट कर दी और विदेशी संबंधों को नया रूप दे दिया। अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमय के तीन प्रवाह थे : (i) व्यापार का प्रवाह – 19वीं शताब्दी में मुख्यत: कपड़े और गेहूँ का व्यापार होता था। (ii) श्रम का प्रवाह – रोजगार की खोज में लोगों का प्रवास। (iii) पूंजी प्रवाह – पूंजी का अल्प या दीर्घ अवधि के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में निवेश कर दिया जाता था। ये तीनों प्रवाह एक दूसरे से जुड़े थे और लोगों के जीवन को प्रभावित करते थे। (पा.पु. 1, पृ. 81) 3X1=	3
	या	
	18वीं शताब्दी के अंत तथा 19वीं शताब्दी के प्रारंभ में ब्रिटेन में स्त्रियों की दशा: औद्योगिक नगर के जीवन में परिवर्तन और बदलाव आने लगे। (i) परिवार के सदस्यों के बीच बंधन ढीले पड़ने लगे। उच्च और मध्यम वर्ग की औरतें अकेलापन महसूस करने लगीं, यद्यपि घरेलू नौकरों के कारण उनकी जिंदगी काफी आसान हो गई, क्योंकि वे उनके लिए काम करते थे।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(ii) निम्नतर सामाजिक वर्गों की महिलाओं का अपने जीवन पर अच्छा-खासा नियंत्रण था। वे वेतन के लिए काम करती थीं। कुछ मामलों में, परिवारों को टूटने से बचाने के लिए, औरतों को वापस घरों में धकेल दिया गया।	
	(iii) सार्वजनिक स्थान केवल पुरुषों के लिए सुरक्षित हो गए थे। समानता के अधिकार को यह बड़ा झटका था। चार्टिज्म आंदोलन के बाद औरतें मताधिकार पाने के राजनीतिक आंदोलनों में भाग लेने लगीं। (पा.पु. 1 पृ. 136) 3X1=	3
प्र.14	(क) बेगम रोकैया सखावत हुसैन ने स्त्रियों के शिक्षा के अधिकार की जोरदार वकालत की। उन्होंने इस्लाम के मौलिक सिद्धान्तों का हवाला दिया, जिनके अनुसार स्त्रियों को शिक्षा का समान अधिकार प्राप्त है।	1
	(ख) 1. मध्यम वर्गी घरों में मुद्रित पुस्तकों ने स्त्रियों में पढ़ने की आदत को कई गुना बढ़ा दिया। 2. अनेक पुस्तकें स्त्रियों के जीवन और भावनाओं का वर्णन करती थीं। इस कारण स्त्रियाँ पढ़ने में और भी अधिक रुचि लेने लगीं। 3. कुछ मामलों में पुस्तकों ने उन्हें काफी निडर बना दिया और उन्होंने अपने ऊपर रूढ़िवादी परिवारों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को तोड़ना शुरू कर दिया। 4. स्त्रियों की शिक्षा के विरोधियों के कारण अनेक स्त्रियां चोरी छिपे पढ़ने लगीं। 5. इस प्रकार उन्होंने पुरुषों के शिक्षा पर एकाधिकार को चुनौती दे दी और समानता के अधिकार का दावा ठोक दिया। 6. अनेक महिलाएं, लेखिकाएं बन गई। उन्होंने स्त्रियों के प्रति अन्यायपूर्ण व्यवहार को खूब प्रमुखता दी। (कोई 2 बिंदु 2 अंक) (पा.पु. 1, पृ. 132) 1+2=	3
	या	
	(क) लेखक द्वारा बच्चियों को दिया गया संदेश : 1. उपन्यास मत पढ़िये 2. उन्हें छूना भी मत। 3. तुम्हारा जीवन बर्बाद हो जाएगा। 4. तुम्हें रोग और व्याधियाँ घेर लेंगी। 4X½=	2
	(ख) जेन आस्टिन (1अंक) 2+1 =	3
प्र.15	राजनीतिक दल, दबाव-समूह आंदोलन निम्नलिखित तरीकों से सत्ता की साझेदारी मे मदद करते है:	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
(i)	राजनीतिक दलों की आपसी प्रतिद्वंद्विता ही इस बात को सुनिश्चित करती है कि सत्ता एक व्यक्ति या समूह के हाथ में न रहे।	
(ii)	मिलीजुली सरकार में सत्ता का बँटवारा कई राजनीतिक दलों के बीच होता है।	
(iii)	विभिन्न दबाव-समूह और आंदोलन सरकार की विभिन्न समितियों में सीधी भागीदारी करके सत्ता की साझेदारी में मदद करते है। (पा.पु. 3 पृ. 9) 3x1=	3
प्र.16	**भारत में सत्ता के विकेन्द्रीकरण के लिए किए गए विविध उपाय :**	
	(1) सरकार का तीन स्तरीय ढांचा है : स्थानीय स्तर, राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर	
	(2) ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पंचायती राज तथा नगर निगम और नगर पालिकाएं शहरों में काम करती हैं।	
	(3) राज्यों का शासन सरकारें चलाती है। यहां लोग अपने विधायक (एम.एल.ए.) चुनते हैं।	
	(4) लोकसभा के सांसदों (एम.पी.) का चुनाव सीधे लोगों द्वारा किया जाता है।	
	(5) लोकतंत्र के तीसरे स्तर को और अधिक शक्तिशाली तथा प्रभावी बनाने के लिए 1992 में संविधान में संशोधन किया गया था।	
	(6) स्थानीय स्वशासी निकायों के चुनाव नियमित रूप से कराना संवैधानिक बाध्यता है।	
	(7) प्रत्येक राज्य में पंचायतों और नगर पालिकाओं का चुनाव करने के लिए राज्य चुनाव आयोग नामक स्वतंत्र संस्था का गठन किया जाता है।	
	(8) राज्य सरकारों को अपने राजस्व और अधिकारों का कुछ हिस्सा स्थानीय निकायों को देना पड़ता है। (कोई 3 बिंदु) (पा.पु. 3, पृ. 24, 25) 3X1=	3
प्र.17	(क) आर्थिक विकास अर्थ यह है कि लम्बे समय तक प्रतिव्यक्ति आय और लोगों की सुविधाओं में लगातार वृद्धि होनी चाहिए।	(1)
	(ख) अर्थिक विकास मापने के सूचक: (i) राष्ट्रीय आय (ii) प्रतिव्यक्ति आय (2अंक) 1+2	3
प्र.18	आयु, लिंग और सेवा के स्वरूप पर ध्यान दिए बिना कोई भी उपभोक्ता चाहे वह किसी भी रूप में सेवा प्राप्त करता है, तो भी उसे अधिकार है कि वह सेवा प्राप्ति जारी रखे या बंद कर दे। उपयुक्त उदाहरण देकर इसकी व्याख्या कीजिए। (पा.पु. 4 पृ. 81)	3
प्र.19	हो ची मिन्ह भूलभुलैया मार्ग, संयुक्त राज्य अमेरिका के विरुद्ध लड़ने के लिए, वियतनामियों द्वारा	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	बनाया गया एक प्रभावशाली सुरक्षा तंत्र था। यह इस बात का प्रतीक है कि वियतनामी अपने सीमित साधनों का, अपने फायदे के लिए कितनी सूझबूझ से उपयोग करना जानते थे। भूल भुलैया मार्ग के लक्षण निम्नलिखित थे: (1) भूलभुलैया मार्ग सड़कों और पगडंडियों का एक विशाल जाल था। इसके द्वारा उत्तर से दक्षिण को सैनिक और रसद भेजी जाती थी। (2) भूलभुलैया मार्ग पर जगह-जगह छोटे-छोटे सैनिक अड्डे और अस्पताल बने थे। (3) माल ढुलाई का अधिकतर काम कुली करते थे, जिनमें ज्यादातर महिलाएं होती थीं। कुली 25 किलोग्राम सामान अपनी पीठ पर तथा 75 किलो सामान साइकिल पर ले जाते थे। कुछ इलाकों में माल की ढुलाई ट्रकों से भी होती थी। (4) इस मार्ग का अधिकतर भाग वियतनाम के बाहर पड़ोसी देशों लाओस और कम्बोडिया में पड़ता था। इसकी कुछ शाखाएं वियतनाम में भी फैली थी। (5) संयुक्त राज्य अमेरिका रसद की आपूर्ति बन्द करने के लिए इस मार्ग पर बार-बार बम गिराता था। परन्तु उसके प्रयत्न प्राय: बेकार हो जाते थे, क्योंकि वियतनामी बड़ी जल्दी इसकी मरम्मत कर देते थे। पचास के दशक के अंत में इस मार्ग को काफी बेहतर बना दिया गया था। 1967 के बाद हर महीने लगभग 20,000 उत्तरी वियतनामी सैनिक इस मार्ग द्वारा दक्षिण वियतनाम पहुँच जाते थे। (कोई 4 बिंदु) (पा.पु. 1 पृ. 47) 4X1=	4
	या	
	जर्मनी के एकीकरण की प्रमुख अवस्थाएं : (1) 1848 में विभिन्न प्रदेशों के एकीकरण के लिए मध्यवर्गीय जर्मन लोगों में राष्ट्रवादी भावनाएं काफी व्याप्त थीं। (2) इस पहल को दबा दिया गया। (3) इसके बाद ऑटो वॉन बिस्मार्क के नेतृत्व में प्रशा ने राष्ट्रीय एकीकरण के आंदोलन का नेतृत्व संभाल लिया (4) सात वर्षों के दौरान आस्ट्रिया, डेनमार्क और फ्रांस से तीन युद्धों ने एकीकरण की प्रक्रिया पूरी कर दी और 1871 में प्रशा के राजा विलियम प्रथम को जर्मनी का सम्राट घोषित किया गया। (पा.पु. 1 पृ. 19) 4X1=	4
प्र.20	**भारत में चावल की खेती की विशेषताएँ :** (1) भारत के अधिकतर लोगों की मुख्य खाद्य फसल चावल है। (2) भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा चावल उत्पादक है।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(3) चावल खरीफ की फसल है, जिसे उगाने के लिए 25° से ऊपर उच्च तापमान और 100 से. मी. से अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है।	
	(4) चावल उत्तर और उत्तर पूर्वी मैदानों, तटीय क्षेत्रों और डेल्टाई प्रदेशों में उगाया जाता है।	
	(5) कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी सिंचाई की मदद से चावल उगाया जाता है। ऐसे क्षेत्र हैं : पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ भाग।	
	(कोई 4 बिंदु) (पा.पु. 2 पृ. 38-40) 4X1=	4
प्र.21	(क) **कम से कम लागत :** उद्योगों की आदर्श अवस्थिति में इस कारक की प्रमुख भूमिका होती है।	1
	(ख) **कारण:** (1) कारखाने तक कच्चा माल लाने में कम से कम खर्च होना चाहिए।	
	(2) कारखाने में विभिन्न उत्पादों के निर्माण में बहुत कम लागत आनी चाहिए।	
	(3) कारखाना ऐसी जगह होना चाहिए जहां से निर्मित उत्पादों का वितरण आसानी से हो सके या बाजार तक कम से कम लागत पर ले जाया सके।	
	(4) कारखाने का स्थान ऐसे क्षेत्र में होना चाहिए जहां पर विशिष्ट श्रमिक मिलते हों या आसानी से लाए जा सकते हों, क्योंकि इसमें कम से कम लागत आती है।	
	(कोई तीन कारण 3 अंक) (पा.पु. 2 पृ. 70) 1+3=	4
प्र.22	(22.1) (i) स्वर्णिम-चतुर्भुज	
	(ii) उत्तर-दक्षिण गलियारा	
	(iii) पूरब-पश्चिम गलियारा	
	(22.2) दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई	
	(22.3) कन्याकुमारी 1½+2+½=	4
	दृष्टिहीन विद्यार्थियों के लिए:	
	(क) महाराष्ट्र, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (कोई दो)	3
	(ख) 1. महाराष्ट्र (1) मुम्बई, (2) जवाहरलाल नेहरू	
	2. तमिल नाडु (1) चेन्नई (2) तूतीकोरिन	
	3. पं. बंगाल (1) कोलकाता (2) हल्दिया	
प्र.23	(1) सामाजिक विभाजन कभी-कभी राजनीतिक विभाजन में बदल जाता है। इससे देश विखंडन	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	की तरफ जा सकता है।	
	(2) सामाजिक विभाजन उम्मीदवारों की वोट देने की पंसद को प्रभावित करता है।	
	(3) राजनीतिज्ञ इनका प्राय: वोट बैंक और अलगाव की राजनीति के रूप में शोषण करते हैं। (पा.पु. 3, पृ. 34 और 36) (ऊपर के बिंदुओं में से कोई दो) 2+2=	4
प्र.24	**राजनीतिक दल लोकतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं:**	
	(1) वे सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ते हैं।	
	(2) वे लोगों की पसंद के लिए नीतियां और कार्यक्रम सामने रखते हैं।	
	(3) वे लोगों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों से अवगत करवाते हैं और जनता की राय तय करवाते हैं।	
	(4) अपनी अलग राय को बताकर विरोधी दल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।	
	(5) दल सरकारी मशीनरी और कल्याणकारी कार्यक्रमों तक लोगों की पहुँच बनाते हैं।	
	(कोई 4 बिंदु) (पा.पु. 3 पृ. 73-74) 4X1=	4
प्र.25	(1) लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी भी अन्य शासन प्रणाली से बहुत अच्छी है क्योंकि यह व्यक्ति की गरिमा और आज़ादी को बढ़ावा देती है।	
	(2) लोकतंत्र में महिलाओं के साथ गरिमा और समानता का व्यवहार किया जाता है।	
	(3) कमजोर और भेदभाव का शिकार हुई जातियों के लोगों को लोकतंत्र में सम्मान और समान अवसर दिए जाते हैं।	
	(4) लोकतंत्र में सरकार की जाँच-परख और परीक्षा कभी खत्म नहीं होती।	
	(5) कोई अन्य उपयुक्त बिन्दु। (कोई चार बिंदु) 4X1=	4
	(पा.पु. 3, पृ. 97-98)	
प्र.26	(क) **तृतीयक क्षेत्रक** में सेवाओं का उत्पादन करने वाले क्रियाकलाप शामिल किए जाते हैं।	1
	(ख) इस क्षेत्रक के विकास में योगदान करने वाले कारक :	
	(1) सरकार, अस्पताल, शिक्षा, परिवहन आदि की सेवाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है।	
	(2) कृषि और उद्योग का विकास	
	(3) आय में वृद्धि के साथ सेवाओं की मांग में वृद्धि होती है	
	(4) नई से नई सेवाओं का उदय	
	(पा.पु. 4 पृ. 24 और 25) (कोई तीन बिंदु 3 अंक) 1+3=	4

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
प्र.27	(27.1) औपचारिक क्षेत्रक का हिस्सा 52% है। (27.2) (i) संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान करने के लिए बैंकों को और अधिक शाखाएं खोलनी चाहिए। (ii) बैंकों से ऋण लेना और अधिक आसान और सरल बनाया जाना चाहिए। (27.3) अनेक क्षेत्रों में ऋण के औपचारिक स्रोत हैं ही नहीं। तथा अन्य स्रोतों से ऋण लेना बहुत मुश्किल काम है। (पा.पु. 4 पृ. 48) 1+2+1=	4
प्र.28	स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने विदेशी व्यापार और विदेशी-निवेश पर प्रतिबंध लगा रखा था ताकि देश के उत्पादों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से संरक्षण प्रदान हो। उद्योगों का विकास अभी शुरू ही हुआ था और वे सुस्थापित विदेशी प्रतिस्पर्धियों की प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने की स्थिति में नहीं थे। भारत ने केवल अनिवार्य वस्तुओं जैसे मशीनरी, उर्वरक, पेट्रोलियम आदि के आयात को ही अनुमति दे रखी थी। सभी विकसित देशों ने विकास के प्रारंभिक चरणों में घरेलू उत्पादकों को इसी प्रकार के तरीकों से संरक्षण दिया था। (पा.पु. 4 पृ. 64)	4
प्र.29	उत्तर संलग्न मानचित्र (पृष्ठ 31)पर देखिए 6X1=	6
	या	
	उत्तर संलग्न मानचित्र (पृष्ठ 32) पर देखिए 6X1=	6
	दृष्टिहीन छात्रों के लिए 1. चंपारन 2. जलियांवाला बाग 3. भिलाई 4. कलपक्कम् 5. तिरूवनंतपुरम 6. विशाखापत्तनम् 6X1=	6

प्र.29 का उत्तर

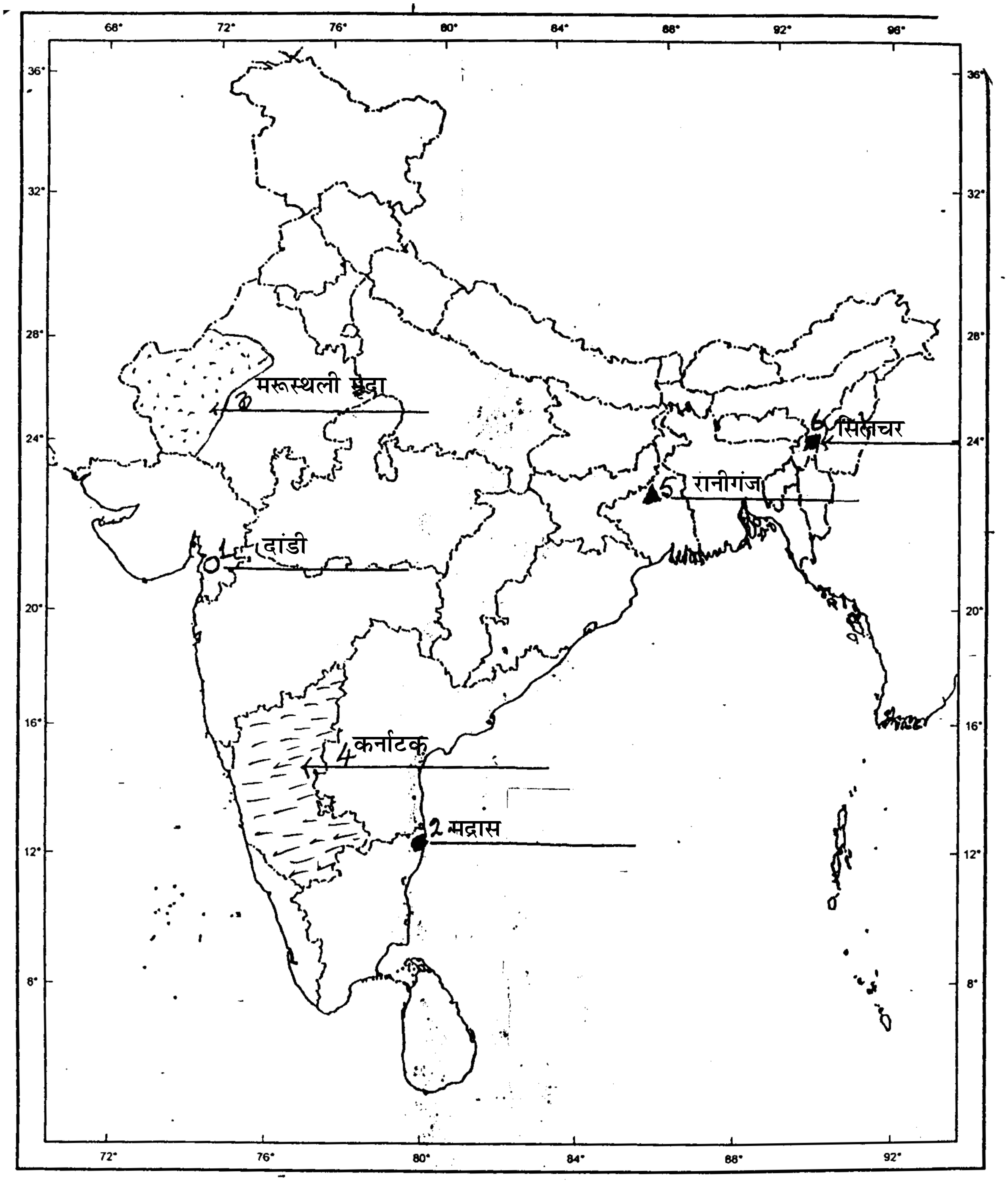
68°
72°
76°
80°
84°
88°
92°
96°
36°
32°
28°
24°
20°
16°
12°
8°
3 मरूस्थली मृदा
1 दांडी
4 कर्नाटक
2 मद्रास
5 रानीगंज
6 सिलचर

या

प्र.29 का उत्तर

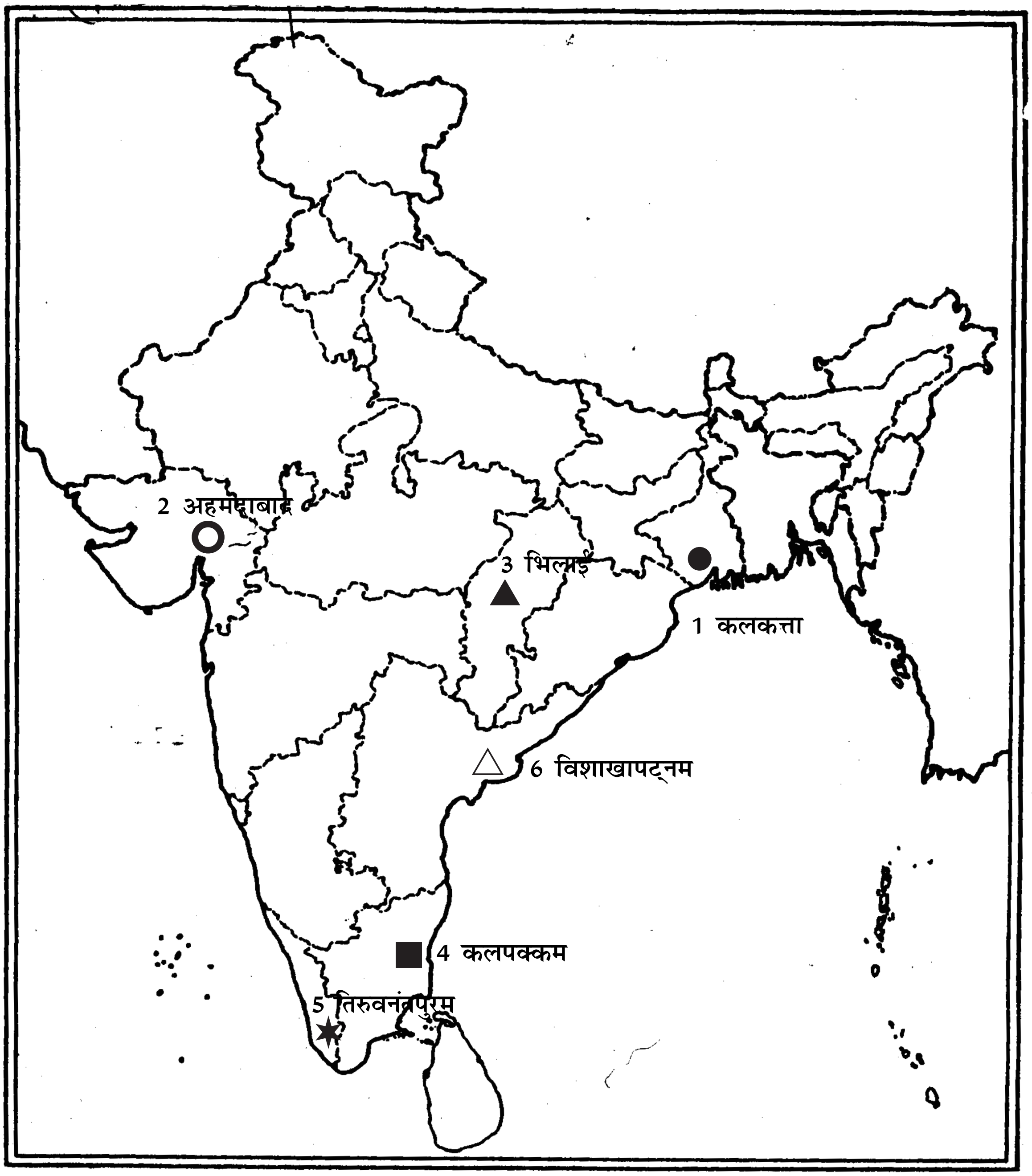

प्रतिदर्शी प्रश्न पत्र – I

विषय : सामाजिक विज्ञान   कक्षा : दसवीं   अधिकतम अंक : 80   समय : 3 घंटे

प्रश्नानुसार विश्लेषण

प्रश्न की क्रम संख्या	इकाई और अध्याय संख्या	प्रश्न का प्रकार	निर्धारित अंक	अनुमानित समय	अनुमानित कठिनाई स्तर
1	I,4/5/6	अ० ल० उ०	1	2 मिनट	ख
2	I,7/8	"	1	"	ख
3	II,1	"	1	"	क
4	II,2	"	1	"	क
5	II,3	"	1	"	क
6	II,5	"	1	"	ख
7	III,4	"	1	"	ख
8	III,3IV,1	"	1	"	ग
9	IV,1	"	1	"	ख
10	IV,5	"	1	"	क
11	I,3	ल० उ०	3	6 मिनट	ख
12	I,3	"	3	"	क
13	I,4/5/6	"	3	"	ख
14	I,7/8	"	3	"	क
15	III,1	"	3	"	ग
16	III,2	"	3	"	ख
17	IV,1	"	3	"	ख
18	IV,5	"	3	"	ख
19	I,1 या 2	दी० उ०	4	8 मिनट	ख
20	II,4	"	4	"	ग
21	II,6	"	4	"	ग
22	II,7	"	4	"	ख
23	III,3	"	4	"	ख

प्रश्न की क्रम संख्या	इकाई और अध्याय संख्या	प्रश्न का प्रकार	निर्धारित अंक	अनुमानित समय	अनुमानित कठिनाई स्तर
24	III,6	दी॰ उ॰	4	8 मिनट	ग
25	III,7	"	4	"	ख
26	IV,2	"	4	"	ग
27	IV,3	"	4	"	ख
28	IV,4	"	4	"	ग
29	I,II	मानचित्र प्रश्न	2+4	12 मिनट	क
कठिनाई स्तर में प्रयुक्त संकेताक्षरों के अर्थ					
	क	कठिन	20%	16 अंक	
	ख	औसत	50%	40 अंक	
	ग	आसान	30%	24 अंक	

सामाजिक विज्ञान

प्रतिदर्शी प्रश्न पत्र-2

कक्षा : 10

समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

निर्देश

1. कुल मिलाकर 29 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. प्रत्येक प्रश्न के सामने उसके अंक दिए गए हैं।

3. क्रम संख्या 1 से 10 तक के प्रश्न 1 अंक वाले हैं। इन प्रश्नों के उत्तर एक शब्द से लेकर एक वाक्य तक के हो सकते हैं।

4. क्रम संख्या 11 से 18 तक के प्रश्न 3 अंक वाले हैं। इन प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर 80 शब्दों से अधिक का नहीं होना चाहिए।

5. क्रम संख्या 19 से 28 तक के प्रश्न 4 अंको वाले हैं। इन प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर 100 शब्दों से अधिक का नहीं होना चाहिए।

6. प्रश्न सं. 29 मानचित्र कार्य का प्रश्न है। मानचित्र को अपनी उत्तर पुस्तिका के बीच में संलग्न कर दीजिए।

प्र.1 संयुक्त राज्य अमेरिका में कार के वृहत् उत्पादन के विख्यात प्रणेता कौन थे? 1

या

ईस्ट इंडिया कंपनी के गुमाश्ता कर्मचारियों का मुख्य कार्य क्या था? 1

या

लन्दन में लौह दैत्य किसे कहा गया था? 1

प्र.2 पेनी चैपबुक्स या एक पैसिया किताबें किसे कहते थे? 1

या

चार्ल्स डिकेन्स द्वारा लिखित ''ओलिवर ट्विस्ट'' का मुख्य विषय बताइये। 1

प्र.3 शुद्ध बोया गया क्षेत्र और सकल कृषित क्षेत्र में अन्तर स्पष्ट कीजिए। ½+½= 1

प्र.4 वन्य-जीवों की स्थानिक जातियाँ कौन सी है? 1

प्र.5 सतत् पोषणीय विकास के लिए खनिज संरक्षण क्यों बहुत अनिवार्य है? कोई दो कारण बताइए। ½+½= 1

प्र.6 वित्तीय निवेश के आकार की ऊपरी सीमा क्या है, जो एक लघु उद्योग को बृहत् उद्योग से अलग करती है?

प्र.7 श्रीलंका में लोगों के संघर्षरत *दो* समूहों के नाम बताइये। ½+½= 1

प्र.8 'नारीवादी' आंदोलन की व्याख्या कीजिए। 1

प्र.9 "किसी के लिए जो विकास हो सकता है, वही दूसरे के लिए विकास नहीं हो सकता है।" उपयुक्त उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 1

प्र.10 बाजार में लोगों का शोषण किए जाने के कोई दो रूप बताइए। ½+½= 1

प्र.11 पाठ्यपुस्तक के निम्नलिखित उद्धरण को पढ़िए तथा उसके बाद दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

स्वतन्त्रता दिवस की शपथ: 26 जनवरी 1930

"हमारा विश्वास है कि किसी भी समाज की तरह भारतीय जनता का भी एक अहरणीय अधिकार है कि उन्हें आजादी मिले, अपनी मेहनत का फल मिले और जीवन की सभी आवश्यकताएँ पूरी हों, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के परिपूर्ण अवसर मिलें। हमारा यह भी विश्वास है कि यदि कोई भी सरकार अपनी जनता को इन अधिकारों से वंचित रखती है और दबाती है तो जनता को भी सरकार को बदलने या उसे समूल समाप्त करने का अधिकार है। भारत में ब्रितानी सरकार ने, न केवल भारतीय जनता को स्वतंत्रता से वंचित किया है बल्कि उसने जनता का शोषण किया है और देश को आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवम आध्यात्मिक स्तर पर नष्ट कर दिया है। इसलिए हमारा विश्वास है कि भारत को अनिवार्य रूप से ब्रिटेन के साथ अपने सभी संबंधों को समाप्त करके पूर्ण स्वराज प्राप्त करना चाहिए।"

(क) किन *दो* प्रकारों से भारत में ब्रितानी शासन दमनात्मक था?

(ख) कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन के भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर पड़ने वाले किन्ही *दो* तात्कालिक प्रभावों की व्याख्या कीजिए। 1+2= 3

प्र.12 "लोगों को एकजुट करने तथा उनमें राष्ट्रीयता की भावना को जगाने के लिए कुछ चिह्नों और प्रतीकों का उपयोग किया गया था।" अपने उत्तर की पुष्टि में *दो* प्रमाण दीजिए। 1½+1½= 3

प्र.13 वैश्विक कृषि अर्थव्यवस्था के उन *तीन* लक्षणों की व्याख्या कीजिए, जिन्होने 19वीं शताब्दी के अन्तिम वर्षों में आकार ग्रहण किया था। 3x1= 3

या

19वीं शताब्दी में कारखानों में प्रौद्योगिकीय परिवर्तन धीमी गति से क्यों हो रहे थे, इसके किन्हीं *तीन* कारणों की व्याख्या कीजिए। 3x1= 3

या

औद्योगीकरण के कारण लंदन नगर में मनोरंजन और अवकाश के संदर्भ में हुए सामाजिक परिवर्तनों का *तीन* बिन्दुओं में वर्णन कीजिए। 3x1= 3

प्र.14 मुंशी प्रेमचंद की कृतियों के 20वीं शताब्दी के प्रारंभ के भारतीय समाज की सामाजिक दशाओं के3 प्रतिबिंब होने का वर्णन कीजिए।

या

पांडुलिपियों की तीन कमियाँ बताइए जिन्हें प्रिंटिंग प्रेस द्वारा दूर किया गया। 3

प्र.15 "भारत की भाषा-नीति ही भारत के संघीय ढाँचे की प्रमुख परीक्षा है।" इस कथन के पक्ष में तीन उपयुक्त तर्क दीजिए। 3

प्र.16 सत्ता की साझेदारी के *तीन* रूपों का वर्णन कीजिए। 3

प्र.17 नीचे दिए शब्दों की व्याख्या कीजिए:
(1) शिशु मृत्यु दर, (2) साक्षरता दर और (3) निवल उपस्थिति अनुपात 3x1= 3

प्र.18 उपभोक्ता संरक्षण कानून के अंतर्गत "सूचना के अधिकार" के अर्थ की उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए। 3

प्र.19 वियतनाम में फ्रांसीसी शिक्षा प्रणाली के लागू होने के संदर्भ में दो दलों के बीच किस प्रकार के मतभेद थे? 4

या

1871 के पश्चात् यूरोप में बाल्कन प्रदेश किस प्रकार राष्ट्रीय तनाव का स्रोत बन गया था?

प्र.20 भारत में उत्पादित की जाने वाली *चार* रेशेदार फसलें कौन सी हैं? इनमें से कौन सी फसल सीधे जमीन से नहीं प्राप्त की जाती? इसके उत्पादन में शामिल प्रक्रिया का क्या नाम है? 2+1+1 4

प्र.21 भारत के विभिन्न भागों में उपभोग की जा रही वर्षा-जल संग्रहण की किन्हीं *चार* पारंपरिक विधियों का वर्णन कीजिए। 4x1= 4

प्र.22 भारत के किस प्रदेश में परिवहन के अन्य साधनों की तुलना में वायु परिवहन अधिक लोकप्रिय है? इसके *तीन* कारण बताइए। 1+3= 4

प्र.23 "भारत में स्त्रियों के साथ अभी भी भेदभाव होता है, जिसके कारण समाज में उनकी स्थिति में असमानता बनी हुई है।" *चार* उपयुक्त उदाहरणों से इस कथन की पुष्टि कीजिए। 4x1= 4

प्र.24 भारत में वर्ग विशेष हित-समूह और जन-सामान्य के हित-समूह में से प्रत्येक के प्रमुख लक्षण का वर्णन कीजिए। 2+2= 4

प्र.25 लोकतंत्र की किन्ही *दो* चुनौतियों की विवेचना कीजिए। 2+2= 4

प्र.26 विगत तीस वर्षों में भारत में तृतीयक क्षेत्रक सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्रक क्यों बन गया है? *चार* कारणों की व्याख्या कीजिए। 4x1= 4

प्र.27 भारत में ग्रामीण साख (ऋण) के *दो* औपचारिक और *दो* अनौपचारिक स्रोतों के नाम बताइये। साख (ऋण) के औपचारिक स्रोत के कोई *दो* लाभ बताइये। 1+1+2= 4

प्र.28 भारत में वैश्वीकरण के *एक* अच्छे प्रभाव तथा *एक* बुरे प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। 2+2= 4

प्र.29 पृष्ठ 36 पर दिए गए भारत के राजनीतिक रेखामानचित्र में क्रम सं. 1 से 6 तक छः लक्षण अंकित

किए गए हैं। निम्नलिखित जानकारी की सहायता से इन लक्षणों को पहचानिए और मानचित्र पर खींची गई रेखाओं पर इनके सही नाम लिखिए।

1. एक स्थान जहाँ दिसम्बर 1920 में भारतीय राष्ट्रीस कॉंग्रेस का अधिवेशन हुआ था;

2. एक नगर जहाँ जलियावाला बाग की घटना हुई थी;

3. मृदा का एक प्रकार

4. चाय का एक प्रमुख उत्पादक राज्य

5. लौह अयस्क की एक खान; और

6. एक ताप बिजलीघर

या

प्र.29 पृष्ठ 37 पर भारत के दिए गए राजनीतिक रेखामानचित्र में निम्नलिखित की स्थिति दिखाकर उनका नामांकन कीजिए।

1. दांडी
2 चंपारन
3. कानपुर
4. हीराकुड बांध
5. रा.रा.2 का पूर्वी अंतिम नगर और
6. सबसे उत्तर का अंतर्राष्ट्रीय वायु पतन

निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न स. 29 के बदले में है:

1. उस स्थान का नाम बताइये जहाँ गांधी जी ने मिल मालिकों के विरुद्ध सत्याग्रह का आयोजन किया था।

2. उस स्थान का नाम बताइये जहाँ हिंसा हुई थी और जिसके कारण गांधी जी ने असहयोग आंदोलन को वापस ले लिया था।

3. चिनाब नदी पर बने बांध का नाम बताइये।

4. मध्य प्रदेश में स्थित साफ्टवेयर औद्योगिक पार्क का नाम बताइये।

5. भारत में सबसे दक्षिण के प्रमुख समुद्री पत्तन का नाम बताइये।

6. नरौरा परमाणु उर्जा संयत्र किस राज्य में स्थित है?

प्र.29 मानचित्र कार्य

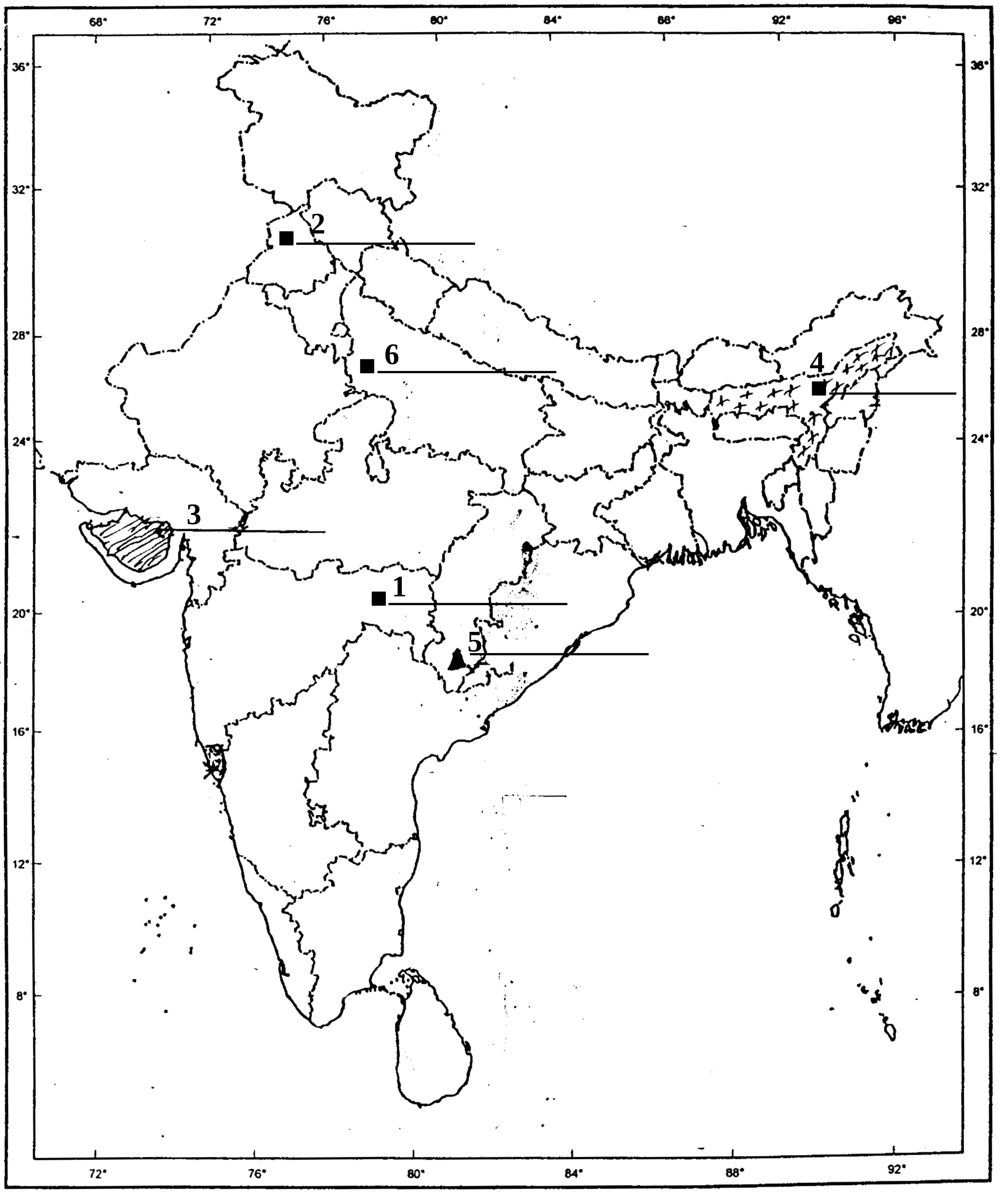

या

प्र.29 मानचित्र कार्य

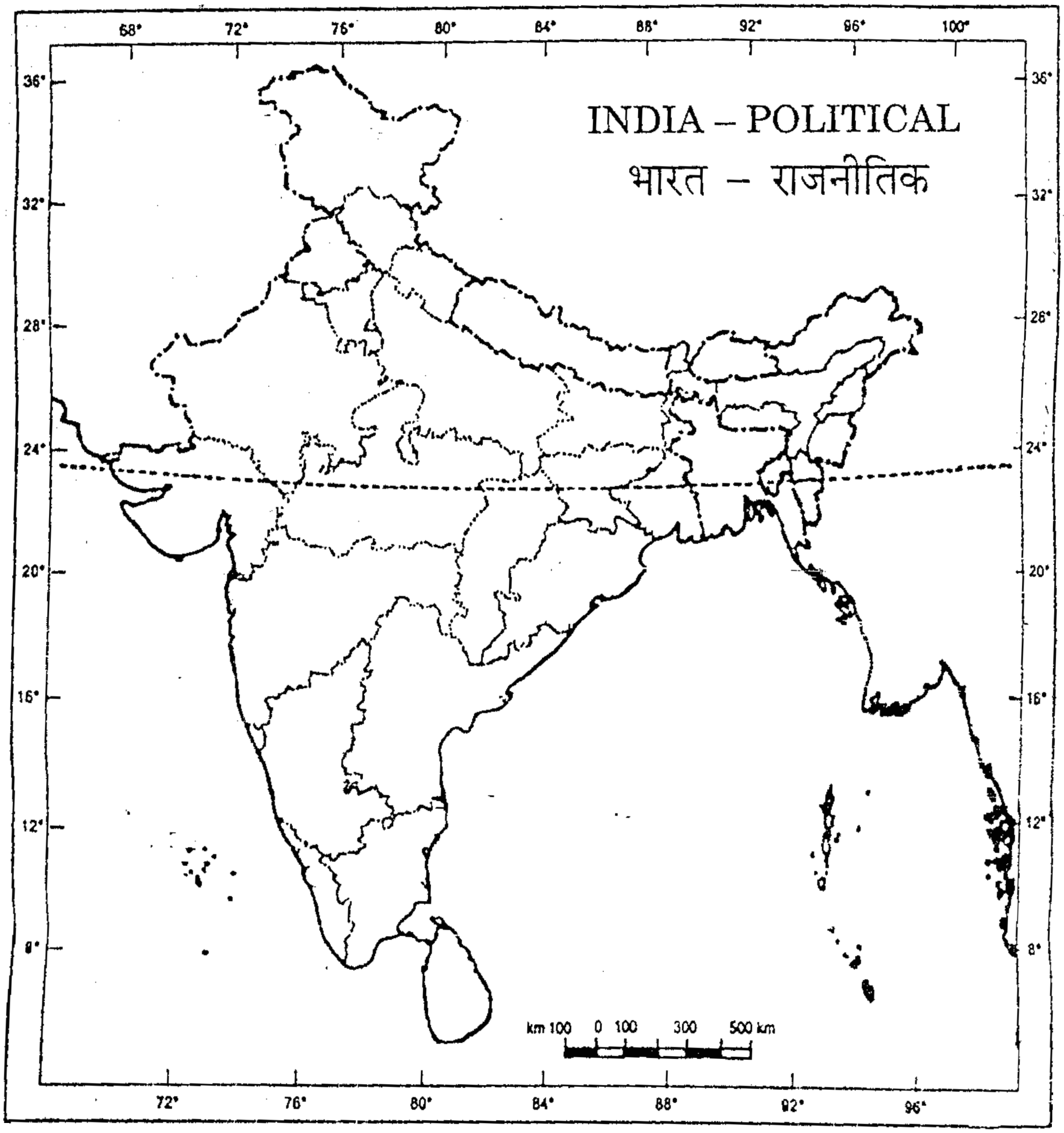

प्रतिदर्शी प्रश्न पत्र 2

अंक योजना

कक्षा : 10

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

प्र.सं.	उत्तरों की रूपरेखा	अंक
प्र.1	हेनरी फोर्ड (पा.पु. 1, पृ. 94)	1
	या	
	बुनकरों पर निगरानी रखना, माल इकट्ठा करना और कपड़े की गुणवत्ता जाँचना (पा.पु. 1, पृ. 115)	1
	या	
	लन्दन की भूमिगत रेल (पा.पु., पृ. 134)	1
प्र.2	(i) पेनी चैपबुक्स या एक पैसिया किताबें पाकेट आकार की होती थीं। इन्हें छोटे फेरी वाले बेचते थे। इन्हें चैपमेन कहा जाता था। (ii)ये किताबें एक पेनी में बिकती थीं, जिन्हें गरीब लोग भी खरीदकर पढ़ सकते थें। ½+½=	1
	या	
	'ओलिवर ट्विस्ट' एक गरीब अनाथ की कहानी है, जो छोटे मोटे अपराधियों और भिखारियों की दुनिया में रहता था। (पा.पु. 1, पृ. 180-181)	1
प्र.3	(1) शुद्ध बोया गया क्षेत्र : भूमि का वह क्षेत्र जिस पर कृषि की जाती है।	
	(2) सकल कृषित क्षेत्र : इसमें एक कृषीय वर्ष में बोया गया शुद्ध क्षेत्र और एक से अधिक बार बोया गया कुल क्षेत्र शामिल होता है। (पा.पु. 2, पृ. 6)	1
प्र.4	वन्य जीवों की ये जातियाँ निर्जन क्षेत्रों में पाई जाती हैं, जैसे अन्डमान का मुर्गाबी, जंगली सुअर, निकोबार कबूतर, अरुणाचल का मिथुन, आदि। (कोई दो) (पा.पु. 2, पृ. 17)	
प्र.5	**खनिज संरक्षण अनिवार्य है क्योंकि :**	
	1. खनिज संसाधन सीमित और अनवीकरणीय है।	
	2. हमारे प्रतिदिन के जीवन में उनका अत्यधिक महत्व है।	
	3. उद्योगों और कृषि का विकास मुख्य रूप से खनिजों पर आश्रित है।	
	4. खनिजों का निर्माण बहुत धीरे-धीरे होता है। (कोई दो बिन्दु) पा.पु. 2, पृ. 61) ½+½=	1

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
प्र.6	**लघु उद्योग में वित्तीय निवेश की ऊपरी सीमा** एक करोड़ रुपए की उपरी सीमा है, जो लघु उद्योग को बृहत् उद्योग से अलग करती है। (पा.पु. 2, पृ. 71)	1
प्र.7	तमिल और सिंहली (पा.पु. 3, पृ. 36) ½+½=	1
प्र.8	महिलाओं के व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन में बराबरी की मांग करने वाले महिलाओं के आंदोलनों को नारीवादी आंदोलन कहते हैं। (पा.पु. 3, पृ. 42)	1
प्र.9	बांध बनाने से अवसंरचनात्मक विकास होता है लेकिन अनेक लोगों को घर-बार छोड़ना पड़ता है। अत: यह उनके लिए विकास नहीं हो सकता। (पा.पु. 4 पृ. 5)	1
प्र.10	घटिया किस्म की वस्तु देना, कम माप करना, मिलावटी वस्तु देना, नकली वस्तु देना, ऊँची कीमत वसूलना, आदि (कोई दो) (पा.पु. 4, पृ. 76) ½+½=	1
प्र.11	(क) **दो प्रकार जिनमें ब्रितानी शासन दमनात्मक था** (1) भारत के लोगों को जीने और अपने परिश्रम के फल का उपयोग करने की मूलभूत स्वतंत्रता से वंचित करना। (2) देशी उद्योगों और शिल्पों को नष्ट करके भारत की अर्थव्यवस्था को चौपट करना। (3) भारतीयों को सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अंग्रेजों की तुलना में हीन बनाना। (4) जनता का शोषण (कोई दो बिन्दु) ½+½ = 1 ख) **भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन के तात्कालिक प्रभाव:** (1) पूर्ण स्वराज की मांग (2) 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिवस के रूप मनाया जाएगा, जब लोग पूर्ण स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने की शपथ लेंगे। (3) 12 मार्च 1930 को नमक यात्रा के साथ सविनय अवज्ञा आंदोलन का प्रारंभ। 6 अप्रैल को गांधी जी दांडी पहुँचे और नमक कानून को तोड़ा (कोई दो बिन्दु, 2 अंक) 1+2= (पा.पु. 1 पृ. 63)	3
प्र.12	(i) भारत माता की छवि ने मातृभूमि भारत का रूप ग्रहण कर लिया। भारत माता की छवि को पहली बार अबनींद्रनाथ टैगौर ने चित्रित किया। इस चित्र में भारत माता को शांत, गंभीर, देवी और आध्यात्मिक गुणों से युक्त सन्यासिनी के रूप में दिखाया गया है। बाद में जब अनेक कलाकारों ने इस तस्वीर को बनाया तो भारत माता की छवि विविध रूप ग्रहण करती चली गई। इस छवि को लोकप्रिय प्रति के रूप में छाप कर प्रचारित किया गया।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(ii) झंडा भी राष्ट्रीयता का प्रतीक बन गया। बंगाल में स्वदेशी आंदोलन के दौरान एक तिरंगा झंडा तैयार किया गया। इसमें ब्रिटिश भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करने वाले कमल के आठ फूल और हिन्दुओं और मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करता एक अर्ध चंद्र दर्शाया गया था। गांधी जी ने भी स्वराज का झंडा तैयार कर लिया था। यह भी तिरंगा था और मध्य में चरखे को जगह दी गई थी जो गांधीवादी स्वावलंबन का प्रतीक था। जुलूसों में इस झंडे को थामे चलना शासन के प्रति अवज्ञा का संकेत था। (पा.पु. 1 पृ. 71-72) 1½+1½=	3
प्र.13	**19वीं शताब्दी की समाप्ति पर वैश्विक कृषि अर्थव्यवस्था के प्रमुख लक्षण:**	
	1) वैश्विक कृषि अर्थव्यवस्था का अर्थ था कि आत्मनिर्भर ग्रामीण समाज का स्थान उदीयमान औद्योगिक नगर ले रहे थे। इनमें जनसंख्या अधिक होने के कारण भोजन की मांग भी बढ़ गई थी।	
	2) खेती शुरू करने के लिए विशाल वन भूमि को साफ करना था। पूर्वी यूरोप, रूस, अमेरिका और आस्ट्रेलिया में ब्रिटेन का पेट भरने के लिए नई वन भूमि को साफ किया गया।	
	3) पूरी दुनिया से लगभग 15 करोड़ लोग अपना घर छोड़कर प्रवासी बन गए। अब किसान अपने खेतों पर स्वयं काम न करके दूर देशों से आए वैतनिक मजदूरों से खेती के काम करवा रहे थे।	
	4) भारी पूंजी निवेश और प्रौद्योगिकी का उपयोग अनिवार्य हो गया था।	
	5) रेल मार्गों, जहाजों, नए पत्तनों आदि का परिवहन के लिए निर्माण किया गया था।	
	6) एशिया, अफ्रीका और कैरीबियाई द्वीपसमूह के मजदूरों से बहुत कम वेतन पर काम करवाया जाता था। (कोई तीन बिन्दु) (पा.पु. 1 पृ. 82-83) 3x1=	3
	या	
	19वीं शताब्दी में प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों की धीमी गति के कारण:	
	1) 1840 के दशकों तक सूती वस्त्र उद्योग तथा धातु उद्योग अग्रणी औद्योगिक क्षेत्र थे। ये उद्योग भी आसानी से पारंपरिक उद्योगों को विस्थापित नहीं कर पाए थे। वस्त्र उद्योग में विशेषतया अधिक उत्पादन करखानों में न होकर, घरेलू इकाइयों में होता था।	
	2) लेकिन परिवर्तनों का आधार भाप चालित उद्योगों का पूरा उपयोग नहीं था। विकास का आधार छोटे-छोटे नवाचार बन रहे थे। कांच के काम, खाद्य प्रसंस्करण निर्माण और औजारों के उत्पादन में जो तरक्की हो रही थी, वह मुख्य रूप से छोटे-छोटे आविष्कारों का परिणाम थी।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	3) नई प्रौद्योगिकी महंगी थी। उद्योगपति इनके उपयोग में फूंक-फूंक कर कदम रख रहे थे। 4) मरम्मत काफी खर्चीली थी। 5) भाप के इंजन जैसी सशक्त प्रौद्योगिकी को अपनाने में उद्योगपति हिचक रहे थे। (पा.पु. 1 पृ. 107-108) (कोई तीन बिंदु) 3x1=	3
	या **मनोरंजन और अवकाश के संदर्भ में लंदन में सामाजिक परिवर्तन :** इंग्लैंड में औद्योगीकरण के कारण दो विषम सामाजिक वर्ग बन गए - अमीर या संपन्न और गरीब या कामगार वर्ग। मनोरंजन और अवकाश में भी इनके बीच अंतर देखे गए। 1. अमीरों के लिए 'लंदन सीजन' की परंपरा थी। उनके लिए आपेरा, रंगमंच, शास्त्रीय संगीत आदि जैसे सांस्कृतिक आयोजन थे। 2. मेहनतकश अपना खाली समय पब या शराब घरों में बिताते थे। यहां वे खबरों का अदान-प्रदान भी करते थे और कभी-कभी रानीजतिक कार्रवाईयों का आयोजन भी करते थे। 3. आम लोगों का मनोरंजन स्थान सरकार द्वारा स्थापित पुस्तकालय, कला दीर्घाएं, संग्रहालय आदि थे। 4. निचले वर्ग के लोगों में संगीत सभा काफी लोकप्रिय थी। 5. 20वीं शताब्दी का सिनेमा भी जन मनोरंजन का साधन बन गया था। औद्योगिक कामगार अपनी छुट्टियां समुद्र तट पर बिताते थे। (पा.पु. 1 पृ. 136) (कोई तीन बिंदु) 3x1=	3
प्र.14	मुंशी प्रेमचन्द आधुनिक हिन्दी और उर्दू साहित्य के महानतम साहित्यकारों में से एक थे। प्रेमचन्द्र के चरित्रों ने समुदाय आधारित लोकतांत्रिक मूल्यों की रचना की। उनके "रंगभूमि" नामक उपन्यास का प्रधान चरित्र, दृष्टिहीन भिखारी सूरदास अछूत जाति का है। यह बहुत महत्वपूर्ण है। सूरदास की कहानी गांधी जी के विचारों से प्रेरित थी। मुंशी प्रेमचंद से पहले हिन्दी साहित्य किस्सों, जादुई शक्ति की कहानियों और पलायनवादी काल्पनिक कथाओं से भरा था। उनके उपन्यास 'सेवा सदन' (1916) में आम लोगों के जीवन और सामाजिक मुद्दों की चर्चा की गई है। इसमें समाज में स्त्रियों की दुरावस्था के वर्णन के साथ-साथ, बाल विवाह और दहेज जैसे सामाजिक मसले भी उठाए गए हैं। इस उपन्यास में उच्च वर्ग के चरित्र का विवरण भी है। इन्होंने औपनिवेशिक शासकों से स्वशासन के जो भी थोड़े बहुत मौके मिले, उनका कैसे इस्तेमाल किया, इसका भी विवरण है। (पा.पु. 1 पृ. 189) इसका मूल्यांकन समग्र रुप से होगा।	3
	या	
(1)	हस्तलिखित पांडुलिपियों को नकल करना बहुत खर्चीला था जबकि प्रिंटिंग प्रेस ने पुस्तकों का मूल्य	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	कम कर दिया था।	
(2)	पांडुलिपियों का नकल करना समय साध्य और श्रमसाध्य काम था जबकि प्रिंटिंग प्रेस द्वारा थोड़े समय में पुस्तकों की अनेक प्रतियाँ तैयार हो जाती थीं।	
(3)	पांडुलिपियों के नाजुक होने के कारण उनका लाना-लेजाना और रख-रखाव मुश्किल था जब कि छपी हुई पुस्तकों के साथ ये कठिनाइयाँ नहीं थीं। (पा.पु. 2, पृ. 156-159)	
प्र.15	(1) हमारे संविधान में किसी एक भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा नही दिया गया है।	
	(2) हिन्दी के अलावा अन्य 21 भाषाओं को अनुसूचित भाषा का दर्जा देकर उन्हे संरक्षण दिया गया है।	
	(3) राज्यों की अपनी-अपनी राजभाषाएँ हैं जिनमें राज्यों के अधिकतर काम होते हैं।	
	(4) केन्द्र सरकार के राजकीय कामों में अंग्रेजी के साथ-साथ हिन्दी का भी प्रयोग होता है।	
	(पा.पु. 3 पृ. 20) (कोई 3 बिन्दु) 3X1=	3
प्र.16	आधुनिक लोकतंत्रों में सत्ता की साझेदारी	
	1. सरकार के विभिन्न अंगों के बीच सत्ता की साझेदारी होती है, उदाहरणार्थ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका	
	2. सरकार में विभिन्न स्तरों पर सत्ता की साझेदारी हो सकती हैं। जैसे राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर।	
	3. विभिन्न समूहों में सत्ता की साझेदारी जैसे भाषाई और जातीय समूह।	
	4. राजनीतिक दलों, दबाव समूहों और आंदोलनों के बीच। (कोई तीन) (पा.पु. 3, पृ. 8-9) 3X1=	4
प्र.17	(1) **शिशु मृत्यु दर :** किसी वर्ष में पैदा हुए 1000 जीवित बच्चों में से एक वर्ष की आयु से पहले मर जाने वाले बच्चों की संख्या का अनुपात।	
	(2) **साक्षरता दर :** 7 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में साक्षर जनसंख्या का अनुपात।	
	(3) **निवल उपस्थिति अनुपात :** 6 से 10 वर्ष की आयु के स्कूल जाने वाले बच्चों का उस आयु वर्ग के कुल बच्चों के साथ प्रतिशत। (पा.पु. 4, पृ. 10) 3X1=	3
प्र.18	जब हम कोई वस्तु खरीदते हैं तो निर्माता को उत्पादन के पैकेट पर कुछ जानकारी प्रदर्शित करनी पड़ती है। उपभोक्ता को सूचना का अधिकार है तथा निर्माता को कुछ जानकारी देनी पड़ती है जैसे अधिकतम खुदरा मूल्य, निर्माण की तारीख, खराब होने की अन्तिम तिथि, आदि। (पा.पु. 4 पृ. 80)	3

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
प्र.19	शिक्षा पर नियंत्रण के द्वारा फ्रांसीसी वियतनाम पर अपने शासन को सुदृढ़ करना चाहते थे। दो समूहों में इस पर निम्न मतभेद थे: 1. एक समूह फ्रांसीसी भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाए जाने के पक्ष में था। यह फ्रांसीसी संस्कृति को बढ़ावा देगा तथा वियतनामियों का फ्रांसीसी संस्कृति और सभ्यता से परिचय हो जाएगा। वियतनाम के शिक्षित लोग फ्रांसीसियों की भावनाओं और आदर्शों का आदर करेंगे तथा उनके लिए काम भी करेंगे। 2. विचारकों के दूसरे समूह का सुझाव था कि वियतनामी भाषा को छोटी कक्षाओं में पढ़ाया जाना चाहिए। जिन थोड़े से लोगों ने फ्रांसीसी भाषा सीखकर फ्रांसीसी संस्कृति अपना ली थी, उन्हें पुरस्कार में फ्रांसीसी नागरिकता प्रदान की गई। (पा.पु. 1 पृ. 34,35) 2+2=	4
	या बाल्कन प्रदेश: तनाव का स्रोत 1. यह भौगोलिक और जातीय विभिन्नताओं का क्षेत्र था। इसमें रोमानिया, बल्गारिया आदि शामिल थे। इस इस क्षेत्र के निवासी मोटे तौर पर स्लाव के रूप में जाने जाते थे। 2. बाल्कन का बहुत बड़ा भाग आटोमन साम्राज्य में था। इसके विघटन से विस्फोटक स्थिति पैदा हो गई। उसके अधीन एक के बाद एक यूरोपीय राष्ट्रीयताएं उसके चंगुल से निकल कर स्वतंत्रता की घोषणा करने लगीं। 3. बाल्कन लोगों ने आजादी या राजनीतिक अधिकारों के अपने दावों को राष्ट्रीयता का आधार दिया। उन्होंने इतिहास का इस्तेमाल यह साबित करने के लिए किया कि वे कभी स्वतंत्र थे लेकिन बाद में उन्हें अधीन कर लिया गया। 4. बाल्कन राज्य एक दूसरे से बहुत ईर्ष्या करते थे और दूसरों के क्षेत्र हड़पने की आशा करते थे। 5. परिस्थितियां इसलिए और अधिक जटिल हो गई क्योंकि बाल्कन क्षेत्र में बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा होने लगी। इस समय यूरोपीय शक्तियों के बीच व्यापार और उपनिवेशों के साथ नौसैनिक और सैन्य ताकत के लिए गहरी प्रतिस्पर्धा थी। इस कारण इस क्षेत्र में कई युद्ध हुए और अंततः प्रथम विश्व युद्ध हुआ। (कोई 4 बिन्दु) (पा.पु. 1 पृ. 26) 4X1=	4
प्र.20	(1) कपास, जूट, सन और प्राकृतिक रेशम (2) प्राकृतिक रेशम	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(3) रेशम उत्पादन या कोशकीट–पालन (रेशम के कीड़े के कोकून से रेशम प्राप्त करना) (पा.पु. 3 पृ. 42) 2+1+1=	4
प्र.21	**भारत में प्रयुक्त वर्षाजल संग्रहण के पारंपरिक तरीके :**	
	1. **गुल या कुले:** लोग पहाड़ी और पर्वतीय प्रदेशों में नदी की धारा को मोड़ने के लिए गुल या कुल बनाते थे। ये सामान्य नालियां होती थीं। इनका अधिकतर उपयोग खेतों में सिंचाई के लिए पश्चिमी हिमालय में होता था।	
	2. **छत वर्षा जल संग्रहण :** राजस्थान में पेय जल को एकत्रित करने के लिए इस विधि का उपयोग होता था।	
	3. **बाढ़ जल वाहिकाएँ :** खेतों की सिंचाई के लिए बंगाल के बाढ़ के मैदानों में ऐसी वाहिकाएँ बनाई जाती थीं।	
	4. **खादीन और जोहड़:** शुष्क और अर्धशुष्क क्षेत्रों के खेतों में वर्षा जल एकत्रित करने के लिए गड्ढे बनाए जाते थे। खादीन और जोहड़ राजस्थान में पाए जाते हैं।	
	5. **टाँका :** पेय जल के भंडारण के लिए बीकानेर, फालोदी और बाड़मेर के लगभग सभी घरों में टांका या भूमिगत टैंक हुआ करते थे। टांका, सुविकसित छत वर्षा जल संग्रहण प्रणाली का अभिन्न अंग होता है।	
	6. कोई अन्य विधि (कोई 4 बिन्दु) (पा.पु., 2 पृ. 32) 4X1=	4
प्र.22	(क) उत्तर पूर्वी प्रदेश (1 अंक)	1
	(ख) **कारण** 1. पर्वतीय प्रदेश, 2. सघन वन क्षेत्र 3. बारंबार की बाढ़ें 4. अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं, 5. अन्य प्रासंगिक बिन्दु (किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या, 3 अंक) (पा.पु. 2 पृ. 94) 1+3=	4
प्र.23	**स्वतंत्रता के बाद कुछ सुधार के बावजूद भारत में महिलाएं अभी भी पुरुषों की तुलना में पिछड़ी हैं। इसके निम्नलिखित उदाहरण हैं :**	
	1. महिलाओं की निम्न साक्षरता दर। पुरुषों की साक्षरता दर 76 प्रतिशत है, जबकि महिलाओं की मात्र 54 प्रतिशत है।	
	2. स्त्रियों और पुरुषों के लिंग अनुपात में असमानता	
	3. ऊँचे वेतन और ऊँचे पदों पर पहुँचने वाली महिलाओं की संख्या अब भी बहुत कम है।	
	4. कार्य के लगभग सभी क्षेत्रों में महिलाओं की मजदूरी कम होती है।	
	5. पुत्रों की चाह तथा कन्या भ्रूण हत्या की प्रथा का चलन।	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	6. महिलाओं का उत्पीड़न, शोषण और हिंसा आम बात है।	
	(पा.पु. 3 पृ. 42-44) (उपरोक्त में कोई 4 बिन्दु) 4X1=	4
प्र.24	**(1) वर्ग विशेष के हित-समूहः**	
	वे हित समूह हैं जो समाज के किसी विशेष समूह के हितों को बढ़ावा देते हैं। ऐसे दबाव समूहों का मुख्य सरोकार पूरे समाज का नहीं अपितु अपने सदस्यों की बेहतरी और कल्याण करना होता है। मजदूर संगठन व्यावसायिक संघ आदि ऐसे ही दबाव समूह हैं।	
	(2) जन-सामान्य के हित-समूह :	
	ये समूह सर्व सामान्य हितों को बढ़ावा देते हैं। ये कुछ थोड़े से लोगों का हित साधन नहीं करते हैं। ये समूह पूरे समाज के लिए सामाजिक समानता और सामाजिक न्याय की चिंता करते हैं। जैसे नर्मदा बचाओ आंदोलन।	
	(पा.पु. 3 पृ. 63-64) 2+2=	4
प्र.25	**लोकतंत्र की चुनौतियाँ है :**	
	1. लोकतंत्र को परिवर्तन की चुनौती तथा लोकतंत्र को स्थापित करने की चुनौती	
	2. स्थापित लोकतंत्र, विस्तार की चुनौती का सामना करते हैं, जैसे सरकार के सभी स्तरों पर सभी के लिए और अधिक सत्ता सुनिश्चित करना।	
	3. लोकतत्रं को मजबूत करना उदाहरण के लिए लोकतंत्र की संस्थाओं को मजबूत बनाना। 2+2= (पा.पु. 3 पृ. 102) (कोई दो बिन्दु)	4
प्र.26	**तृतीयक क्षेत्रक के सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्रक बनने के कारण :**	
	1. आर्थिक अवसंरचना तथा स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सामाजिक अवसंरचना में सरकार की भूमिका बढ़ती जा रही है।	
	2. कृषि और उद्योग के विकास से सेवाएं भी विकसित होती हैं।	
	3. आय में वृद्धि होने से सेवाओं की मांग में और अधिक वृद्धि होती है।	
	4. ज्ञान में वृद्धि के परिणामस्वरूप नई सेवाओं की वृद्धि होती है।	
	5. कोई अन्य उपयुक्त बिंदु।	
	(पा.पु. 4 पृ. 24) (उपरोक्त में कोई 4 बिन्दु) 4X1=	4
प्र.27	**(क) ग्रामीण साख (ऋण) के औपचारिक स्रोत हैं:**	
	1. सहकारी समितियाँ	
	2. व्यापारिक बैंक	

प्र.सं.	संभावित उत्तर-बिन्दु	अंक
	(ख) ग्रामीण साख (ऋण) के अनौपचारिक स्रोत हैं :	
	1. साहूकार	
	2. व्यापारी, परिवार के सदस्य, आदि	
	(ग) साख (ऋण) के औपचारिक स्रोत के लाभ हैं:	
	1. ब्याज की कम दर पर ऋण प्रदान करते हैं।	
	2. साहूकारों जैसा कोई अनुचित तरीका काम में नहीं लाते हैं।	
	(पा.पु. 4 पृ. 49) 1+1+2=	4
प्र.28	**क. वैश्वीकरण के अच्छे प्रभाव**	
	वैश्वीकरण के कारण स्थानीय और विदेशी दोनों ही उत्पादकों में प्रतिस्पर्द्धा अधिक हो गई है। इसके परिणाम स्वरूप उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और कीमतें कम हो गई है।	
	ख. वैश्वीकरण का बुरा प्रभाव	
	वैश्वीकरण के कारण छोटे उत्पादकों और मजदूरों की समस्याएँ बहुत बढ़ गई है। ये उत्पादक विदेशी बड़े उत्पादकों की प्रतिस्पर्द्धा का सामना करने में असमर्थ हैं। इसी कारण उत्पादन की अनेक छोटी इकाइयों को बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।	
	(पा.पु. 4 पृ. 62) 2+2=	4

प्र.29 का उत्तर

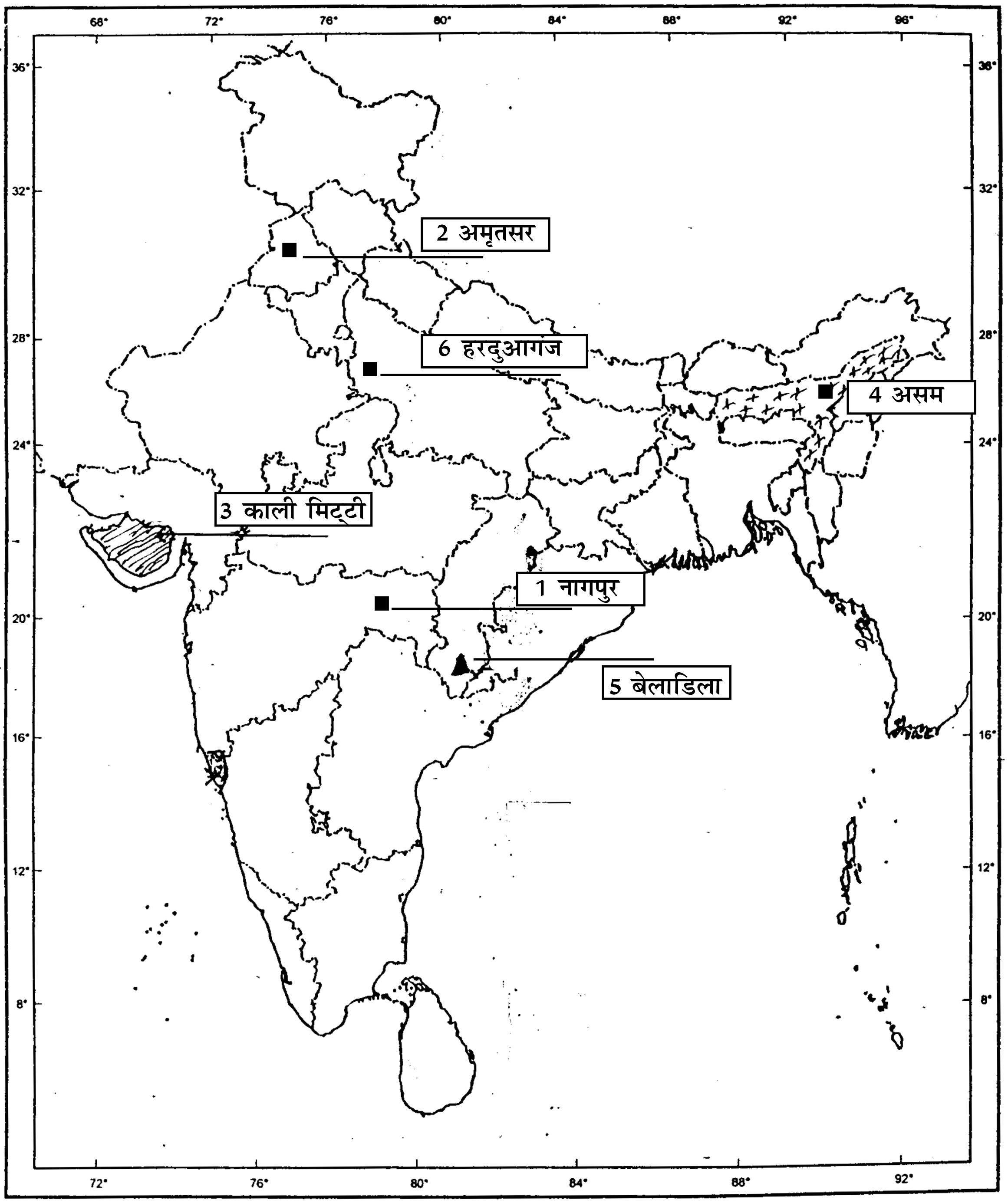

68°
72°
76°
80°
84°
88°
92°
96°
36°
32°
28°
24°
20°
16°
12°
8°
2 अमृतसर
6 हरदुआगंज
4 असम
3 काली मिट्टी
1 नागपुर
5 बेलाडिला

या

प्र.29 का उत्तर

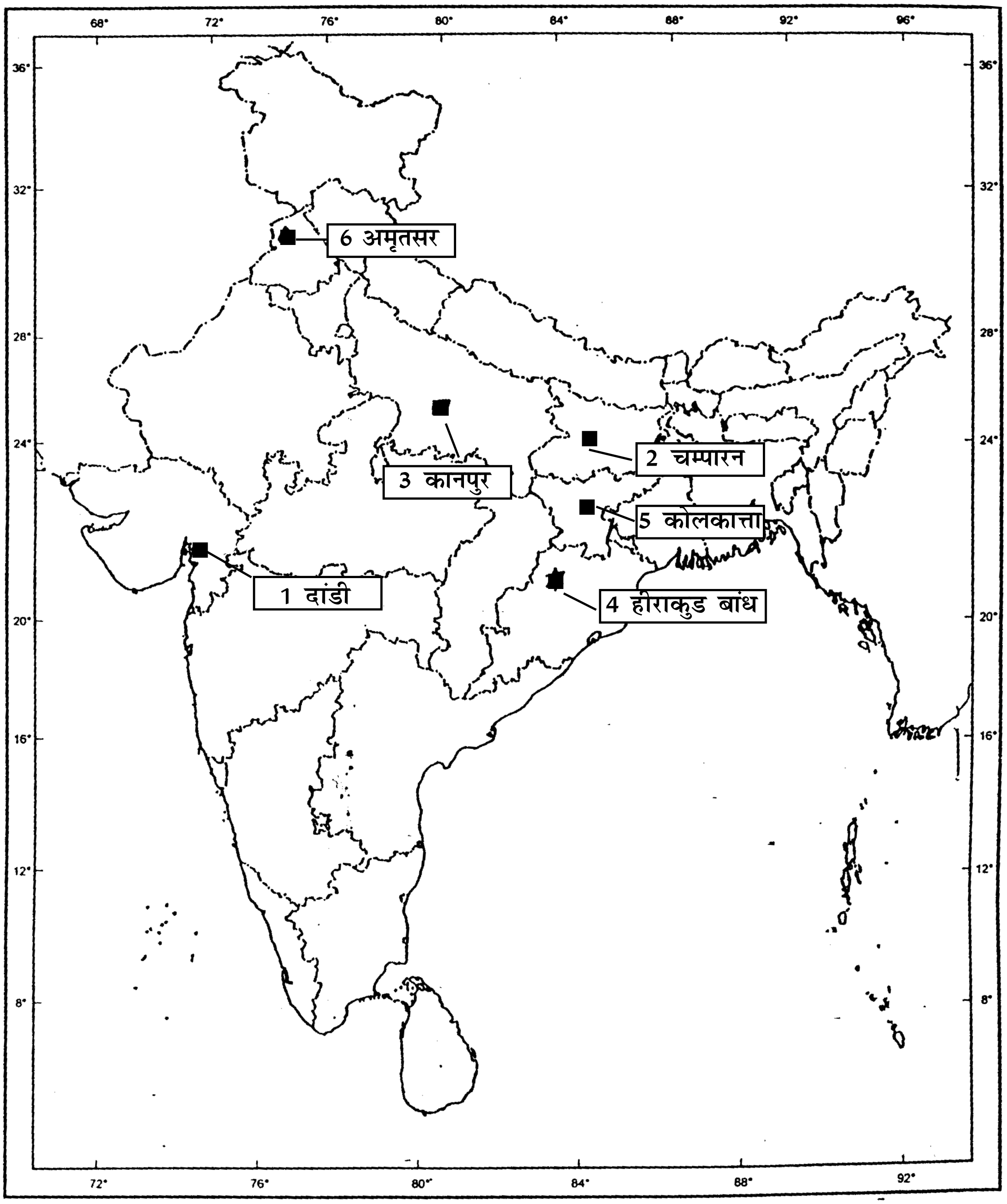

केवल दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए मानचित्र प्रश्न के बदले मे :

1. अहमदाबाद
2. चौरी-चौरा
3. सलाल
4. इंदौर
5. तूतीकोरिन
6. उत्तर प्रदेश 6X1= 6

प्रतिदर्शी प्रश्न पत्र - II

विषय : सामाजिक विज्ञान **कक्षा : दसवीं** **अधिकतम अंक : 80** **समय : 3 घंटे**

प्रश्नानुसार विश्लेषण

प्रश्न की क्रम संख्या	इकाई और अध्याय संख्या	प्रश्न का प्रकार	निर्धारित अंक	अनुमानित समय	अनुमानित कठिनाई स्तर
1	I,4/5/6	अ० ल० उ०	1	2 मिनट	ख
2	I,7	"	1	"	ग
3	II,1	"	1	"	ख
4	II,2	"	1	"	ग
5	II,5	"	1	"	ख
6	II,6	"	1	"	ग
7	III,3	"	1	"	ग
8	III,4	"	1	"	ग
9	IV,1	"	1	"	ग
10	IV,5	"	1	"	ग
11	I,3	ल० उ०	3	6 मिनट	ग
12	I,3	"	3	"	ग
13	I,4/5/6	"	3	"	क
14	I,7/8	"	3	"	ख
15	III,½	"	3	"	ग
16	III,½	"	3	"	ख
17	IV,1	"	3	"	ख
18	IV,5	"	3	"	ख
19	I,1 या 2	दी० उ०	4	8 मिनट	ग
20	II,4	"	4	"	ख
21	II,3	"	4	"	ख

प्रश्न की क्रम संख्या	इकाई और अध्याय संख्या	प्रश्न का प्रकार	निर्धारित अंक	अनुमानित समय	अनुमानित कठिनाई स्तर
22	II,7	दी॰ उ॰	4	8 मिनट	ख
23	III,4	"	4	"	ख
24	III,5	दी॰ उ॰	4	8 मिनट	ख
25	III,8	"	4	"	क
26	IV, 2	"	4	"	ख
27	IV, 3	"	4	"	ग
28	IV, 4	"	4	"	क
29	I,II	मानचित्र प्रश्न	2+4	12 मिनट	क
कठिनाई स्तर में प्रयुक्त संकेताक्षरों के अर्थ					
	क	कठिन	20%	16 अंक	
	ख	औसत	50%	40 अंक	
	ग	आसान	30%	24 अंक	